दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

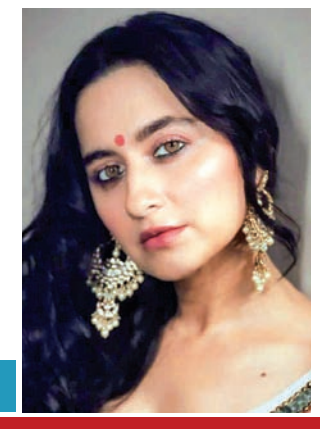

गुनीत गोंगा की अनुजा हुई.....

बागवान से तय किया हीरामंडी का सफर.....

वर्ष : 11 अंक : 06 लखनऊ, 22 दिसम्बर , रविवार 2024 पृष्ठ : 08 मूल्य : 2.00 रुपए

नोएडा एयरपोर्ट के किसानों को बड़ा तोहफा, मुआवजा दरें बढ़ीं

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर के विकास के लिए अपनी जमीन देने वाले किसानों को राहत दी है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित संवाद में उन्होंने तीसरे चरण के भूमि अधिग्रहण के लिए मुआवजा दर 3100 रुपये प्रति वर्गमीटर से बढ़ाकर 4300 रुपये प्रति वर्गमीटर करने की घोषणा की। यह मुआवजा ब्याज सहित दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी आश्वासन दिया कि प्रभावित किसान परिवारों को व्यवस्थापन, रोजगार और सेवायोजन के अवसर दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि यह एयरपोर्ट एशिया का सबसे बड़ा हवाई अड्डा होगा और अप्रैल 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका उद्घाटन

करेंगे। 9 दिसंबर को यहां वेलीडेशन फ्लाइट की सफल लैंडिंग हो चुकी है। उन्होंने कहा कि अगले साल अप्रैल से यहां से नियमित उड़ानें शुरू हो जाएंगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के सीईओ को मंच पर बुलाकर भूमि अधिग्रहण और प्रभावित किसानों के व्यवस्थापन पर चर्चा की। सीईओ ने बताया कि भूमि अधिग्रहण के लगभग सभी मामलों में मुआवजा दिया जा चुका है। केवल उत्तराधिकार और वरासत के कुछ प्रकरण लंबित हैं। मुख्यमंत्री ने इन मामलों का शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए।

एयरपोर्ट के साथ 40 एकड़ में एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉलिंग) हब भी बनाया जाएगा। यह क्षेत्र विमानों के रखरखाव का प्रमुख केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले वर्षों में यह इलाका औद्योगिक और सेवा क्षेत्र की गतिविधियों का केंद्र बनेगा।जेवर, जो कभी विकास से अछूता था, अब वैश्विक मानचित्र पर चमकेगा।उन्होंने बताया कि दो वर्षों में 1334 हेक्टेयर भूमि यानी करीब 3300 एकड़ का अधिग्रहण बिना विवाद के पूरा हुआ है। यह उपलब्धि क्षेत्र के विकास को नई दिशा देगी।

नौका-नौसैन्य पोत की टक्कर

लापता सात वर्षीय लड़के का शव मिला, मृतक संख्या बढ़कर 15 हुई

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

मुंबई । मुंबई तट के पास नौका और नौसैन्य पोत के बीच हुई टक्कर के बाद लापता हुए सात वर्षीय बच्चे का शव तीन दिन के तलाश अभियान के बाद शनिवार सुबह बरामद कर लिया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। नौसेना के एक अधिकारी ने कहा कि हालांकि तलाशी अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक नौका को सीधा खड़ा नहीं कर दिया जाता तथा यह पुष्टि नहीं हो जाती कि अब कोई अन्य शव नहीं बचा है। नौसैन्य नौकाओं ने जोहान मोहम्मद निसार अहमद पठान का शव बरामद कर लिया और इसी के साथ 18 दिसंबर को हुई दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 15 हो गई।

यह शहर के बंदरगाह क्षेत्र में हुई सबसे घातक दुर्घटनाओं में से एक है और नौसेना ने इसकी जांच शुरू कर दी है। अधिकारी ने बताया कि लापता यात्रियों की तलाश के लिए नौसेना के एक हेलीकॉप्टर और नौसेना एवं तटरक्षक बल की नौकाओं को तैनात किया गया। पोत और नौका पर सवार

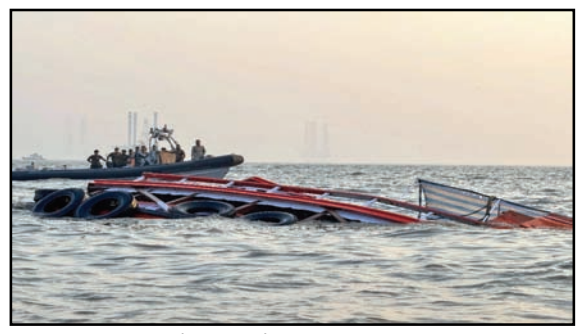

113 लोगों में से 15 की मौत हो गई और दो घायलों सहित 98 लोगों को बचा लिया गया। अधिकारी ने बताया कि नौसेना के पोत पर छह लोग सवार थे, जिनमें से दो बच गए। मुंबई तट के पास बुधवार को दोपहर के समय नौसेना के पोत ने इंजन परीक्षण के दौरान यात्री नौका नील कमल को टक्कर मार दी थी।

नौका 100 से अधिक यात्रियों को गेटवे ऑफ इंडिया से एलिफेंटा द्वीप ले जा रही थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड (एमएमबी) द्वारा जारी दस्तावेजों के अनुसार, नौका में 84 यात्रियों और चालक दल के छह सदस्यों के सवार होने की अनुमति थी, लेकिन इसमें क्षमता से अधिक यात्री सवार थे।स्वयं जांच कर रहे एमएमबी ने नौका का लाइसेंस रद्द कर दिया क्योंकि नौका में तय सीमा से अधिक लोग सवार थे और इस प्रकार यह अंतदेर्शीय पोत अधिनियम का उल्लंघन है। कोलाबा थाने में नौसैन्य पोत के चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि दुर्घटना प्रभावित पोत नौसेना के कब्जे में है और जांच के लिए जब भी जरूरत होगी पुलिस इसकी मांग करेगी।

उत्तराखंड में यूसीसी का मकसद केवल राजनीतिक लाभ है: हरीश रावत

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार द्वारा लाई गई समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का उद्देश्य केवल राजनीतिक लाभ है। इंडियन वूमेन प्रेस कोर (आईडब्ल्यूपीसी) में पत्रकारों के साथ बातचीत में रावत ने कहा कि समान नागरिक संहिता एक राज्य का मुद्दा नहीं है। उन्होंने कहा, यूसीसी राज्य का मुद्दा नहीं है। नाम से ही पता चलता है कि इसका मतलब पूरे देश के लिए एक समान नागरिक संहिता से है। अगर हर राज्य अपने कानून बनाएगा, तो यह एक समान कैसे होगा? कांग्रेस नेता ने कहा कि राज्य सरकार अब तक यूसीसी के नियम नहीं बना पाई है। उन्होंने सवाल किया कि उत्तराखंड जैसे छोटे राज्य में भी, कुछ समुदायों को यूसीसी से बाहर रखना पड़ा, तो यह समान नागरिक संहिता कैसे है? केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को राज्यसभा में संविधान पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा था कि उत्तराखंड की तर्ज पर भाजपा शासित हर राज्य में यूसीसी लाया जाएगा।

मौसम अधिकतम तापमान 23.c न्यूनतम तापमान 7.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 81,526.14

निफ्टी 24,641.80

संक्षिप्त समाचार

मध्य प्रदेश: देवास में मकान में आग लगने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, मध्य प्रदेश के देवास जिले में शनिवार तड़के एक मकान में आग लगने से दो बच्चों समेत एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस मकान में डेयरी भी थी। एक अधिकारी ने बताया कि नयापुरा इलाके में स्थित मकान में सुबह करीब पौने पांच बजे आग लगी। नाहर दरवाजा पुलिस थाने की प्रभारी मंजू यादव ने पीटीआई-भाषा से कहा, हमें नयापुरा में एक डेयरी में आग लगने की सूचना मिली थी और उसी परिसर में एक परिवार भी रहता था। उन्होंने कहा कि दम घुटने और झुलसने से दंपति और उनके दो बच्चों की मौत हुई। अधिकारी ने बताया कि अग्निशमन विभाग की एक टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि मामले में विस्तृत जानकारी अभी नहीं मिल पाई है।

आंध्र प्रदेश में खड़े ट्रक से टकराई वैन, चार लोगों की मौत

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, आंध्र प्रदेश के श्री सत्यसाई जिले में शनिवार सुबह एक वाहन खड़े हुए ट्रक से टकरा गया, जिससे दो साल की बच्ची समेत चार लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पेनुगोंडा के उपमंडल पुलिस अधिकारी वेंकटेश्वरलु ने बताया कि दुर्घटना मड़कसिरा गांव से लगभग पांच किलोमीटर दूर कोडिकोंडा सिरा में राष्ट्रीय राजमार्ग 544ई पर सुबह लगभग 5.30 बजे हुई। उन्होंने कहा कि वाहन में 13 लोग सवार थे और संभवतः चालक को झपकी आ जाने के कारण यह हादसा हुआ। पुलिस के अनुसार, यह घटना उस दौरान हुई जब 13 तीर्थयात्रियों का एक समूह तिरुमाला से लौट रहा था।

प्रधानमंत्री मोदी कुवैत की दो दिवसीय यात्रा पर रवाना

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुवैत की दो दिवसीय यात्रा पर रवाना होने से पहले शनिवार को कहा कि पश्चिम एशियाई क्षेत्र की शांति, सुरक्षा और स्थिरता में भारत और खाड़ी देश का साझा हित है। मोदी ऐसे समय में कुवैत की यात्रा कर रहे हैं जब दो सप्ताह पहले सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल-असद के शासन का पतन हो गया और गाजा में इजराइल के हमले जारी हैं। मोदी ने रवाना होने से पहले दिए गए एक बयान में कहा कि कुवैत के शीर्ष नेतृत्व के साथ उनकी बातचीत भारत और कुवैत के बीच भविष्य की साझेदारी का खाका तैयार करने का अवसर होगा।उन्होंने कहा, मैं कुवैत में भारतीय प्रवासियों से मिलने के लिए उत्सुक हूं, जिन्होंने दोनों देशों के बीच मित्रता के बंधन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ऐतिहासिक संबंधों को बहुत महत्व देते हैं, जो पीढ़ियों से कायम हैं। हम न केवल व्यापार और ऊर्जा के क्षेत्रों में मजबूत साझेदार हैं, बल्कि पश्चिम एशिया में शांति, सुरक्षा और स्थिरता में भी हमारा साझा हित है। मोदी ने कहा कि वह कुवैत के अमीर, युवराज (क्राउन प्रिंस) और प्रधानमंत्री के साथ अपनी बैठकों के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, यह हमारे लोगों और क्षेत्र के लाभ के लिए भविष्य की साझेदारी का खाका तैयार करने का एक अवसर होगा। उन्होंने कहा, मैं कुवैत में भारतीय प्रवासियों से मिलने के लिए उत्सुक हूं, जिन्होंने दोनों देशों के बीच मित्रता के बंधन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

महाकुंभ में डिजिटल वॉरियर की फौज भी खड़ी करेगी पुलिस

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। महाकुंभ-2025 से पहले पुलिस भ्रामक खबरों व साइबर अपराध पर शिकंजा कसने के लिए डिजिटल वारियर की फौज भी खड़ी करेगी। नई पहल के तहत स्कूल-कालेजों में खासकर साइबर क्लब स्थापित होंगे और नोडल शिक्षक भी तैनात किए जाएंगे। पुलिस विशेषक युवाओं को जोड़कर वाट्सएप के अलावा इंटरनेट मीडिया के सभी प्लेटफार्म पर अपनी पहुंच बढ़ाएगी।

डिजिटल वारियर के माध्यम से लोगों को साइबर अपराध के प्रति जागरूक भी किया जाएगा। डीजीपी प्रशांत कुमार के अनुसार महाकुंभ-2025 में प्रयागराज में डिजिटल वारियर के साथ एक पायलट प्रयोग किया गया, जो अत्यंत सफल रहा है। अब पूरे प्रदेश में इसे लागू किया जा रहा है। उन्होंने अधीनस्थों को इसे लेकर विस्तृत निर्देश दिए हैं। उप्र पुलिस ने वर्ष 2018 में समाज के विभिन्न वर्ग के लोगों को डिजिटल वालंटियर के रूप में व्हाट्सएप पर जोड़ा था। वर्ष 2023 में सभी पुलिसकर्मियों को जोड़कर व्हाट्सएप कम्यूनिटी ग्रुप बनाए गए थे, जिसकी मदद से भ्रामक खबरों का खंडन व पुलिस के सराहनीय कार्यों का प्रचार-प्रसार होता है। वर्तमान में लगभग 10 लाख डिजिटल वालेंटियर हैं और लगभग दो लाख पुलिसकर्मी कम्यूनिटी ग्रुप से जुड़े हैं। डीजीपी का कहना है कि नई पहल के तहत इंटरनेट मीडिया इंफ्लुएंसर्स व कालेज/विश्वविद्यालय के छात्रों को डिजिटल वारियर बनाया जाएगा। छात्र अपने सामाजिक दायरे में भ्रामक खबरों व साइबर अपराध के प्रति लोगों को जागरूक भी करेंगे। डिजिटल वारियर का चयन चार श्रेणियों में भ्रामक खबर के खंडन व साइबर अपराध के प्रति सचेत करने, साइबर अपराध के प्रति जागरूक करने, साइबर ट्रेनर के रूप में तथा पुलिस के अभियानों/सराहनीय कार्यों के प्रचार-प्रसार के लिए होगा।

चंडीगढ़ में विवाह समारोह में शामिल हुए राहुल गांधी

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

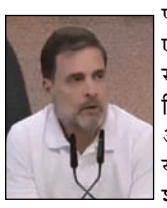

नई दिल्ली, कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को यहां एक वरिष्ठ अधिवक्ता की बेटी की शादी में शामिल हुए। गांधी शुक्रवार की दोपहर चंडीगढ़ पहुंचे और पार्टी की चंडीगढ़ इकाई के अध्यक्ष हरमोहिंदर सिंह लक्की ने उनकी अगवानी की। लक्की के साथ, लोकसभा में विपक्ष के नेता बाद में शहर के बाहरी इलाके में स्थित विवाह स्थल पर पहुंचे। लक्की ने बाद में पीटीआई-भाषा को बताया कि गांधी चंडीगढ़ के बाहरी इलाके में पंजाब के मोहाली जिले के एक रिसॉर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता आर एस चीमा की बेटी की शादी में शामिल होने आए थे। उन्होंने कहा कि पंजाब के पूर्व महाधिवक्ता आर एस चीमा ने राहुल गांधी का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि चीमा की बेटी की शादी थी और गांधी उसमें शामिल होने यहां आए थे। उन्होंने कहा कि शादी में शामिल होने के बाद कांग्रेस नेता दिल्ली लौट गए। लक्की ने बताया कि हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रताप सिंह बाजवा भी इस समारोह में मौजूद थे।

केजरीवाल ने शुरू की अंबेडकर स्कॉलरशिप योजना

विदेश में पढ़ने वाले दलित परिवार के बच्चों का पूरा खर्च उठाएगी दिल्ली सरकार

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, राज्यसभा में दलित आइकन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी पर विवाद के बीच आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों से पहले दलित छात्रों के लिए डॉ. बीआर अंबेडकर के नाम पर एक छात्रवृत्ति योजना की घोषणा की। केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने संविधान निमार्ता पर अमित शाह के अपमानजनक यान के जवाब में डॉ. अंबेडकर सम्मान छात्रवृत्ति योजना शुरू की। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि दलित समुदाय का कोई भी व्यक्ति उच्च शिक्षा से वंचित न रहे, इसके लिए मैं डॉ. अंबेडकर छात्रवृत्ति की घोषणा कर रहा हूं। अब दलित समुदाय का कोई भी छात्र जो दुनिया भर के शीर्ष विश्वविद्यालयों में पढ़ना चाहता है, दिल्ली सरकार छात्रों के दाखिले के बाद उनका खर्च वहन करेगी। यह छात्रवृत्ति दलित समुदाय के सरकारी कर्मचारियों के लिए भी लागू होगी...हम डॉ. अंबेडकर छात्रवृत्ति की घोषणा करके भाजपा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को जवाब दे रहे हैं जिन्होंने डॉ. बीआर अंबेडकर का अपमान किया। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने अमित शाह पर अंबेडकर का मजाक उड़ाने का आरोप लगाया और कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री के बयान से वह और दलित आइकन के करोड़ों अनुयायी आहत हुए हैं। उन्होंने कहा कि किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि स्वतंत्र भारत में कोई संसद में बाबा साहेब अंबेडकर का मजाक उड़ाएगा। अमित शाह के अपमानजनक बयान के जवाब में, मैं यह घोषणा कर रहा हूं। केजरीवाल ने यह भी कहा कि सरकारी कर्मचारियों के बच्चों को भी छात्रवृत्ति योजना में शामिल किया जाएगा।

शिक्षा प्रणाली को सीखने में सहायक होना चाहिए, बाधा नहीं बनना चाहिए : भागवत

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि शिक्षा प्रणाली को सीखने में बाधा नहीं बल्कि सुविधा प्रदाता की भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने बदलते समय के साथ तालमेल बिठाते हुए हमारे बुनियादी मूल्यों पर कायम रहने की आवश्यकता पर जोर दिया। यहां बानेर में लोकसेवा ई- स्कूल का उद्घाटन करने के बाद आरएसएस प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा कोई व्यवसाय नहीं है, बल्कि अच्छे इंसान बनाने का एक व्रत है। उन्होंने कहा, शिक्षा प्रणाली को सीखने में बाधा नहीं बल्कि सुविधा प्रदाता के रूप में कार्य करना चाहिए। इसे केवल नियामक के रूप में कार्य करने के बजाय छात्रों को सशक्त बनाने के साधन के रूप में कार्य करना चाहिए..। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) की सराहना करते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा कि इसे भले ही हाल ही में पेश किया गया हो, लेकिन इस तरह की प्रणाली के लिए कई वर्षों से चर्चा की जा रही थी। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा प्रणाली पूरी तरह लागू की जाएगी और यह देश को उसकी आकांक्षाओं के सपने की ओर ले जाएगी।

देश चिकित्सकों की कमी का सामना कर रहा, मेडिकल सीटें बर्बाद नहीं होनी चाहिए : उच्चतम न्यायालय

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि ऐसे समय में जब देश डॉक्टरों की भारी कमी से जूझ रहा है, कीमती मेडिकल सीटें बर्बाद नहीं होनी चाहिए। न्यायालय ने प्राधिकारियों को निर्देश दिया कि वे रिक्त सीटों को भरने के लिए नये सिरे से काउंसलिंग आयोजित करें। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने दाखिल देने वाले प्राधिकारियों को विशेष काउंसलिंग आयोजित करने और 30 दिसंबर तक मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने को कहा। पीठ ने आदेश दिया, विशिष्ट तथ्यों और परिस्थितियों तथा इस बात पर ध्यान रखते हुए कि देश डॉक्टरों की भारी कमी से जूझ रहा है, बहुमूल्य मेडिकल सीटें व्यर्थ नहीं जानी चाहिए, हम अंतिम अवसर के रूप में अवधि बढ़ाने के लिए इच्छुक हैं। शीर्ष अदालत ने यह आदेश उन याचिकाओं पर विचार करते हुए दिया, जिनमें दाखिला देने वाले प्राधिकारियों को पांच दौर की काउंसलिंग के बाद भी खाली बची सीटों के लिए काउंसलिंग का एक विशेष दौर आयोजित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

लीबिया में भारतीय कामगारों के हालात पर करीब से नजर रख रहे हैं: विदेश मंत्रालय

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि त्रिपोली स्थित भारतीय दूतावास लीबिया में भारतीय कामगारों के एक समूह की स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है और उनकी वापसी के लिए काम कर रहा है, जो बिना उचित दस्तावेजों के उस देश में गए थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से उन भारतीय कामगारों के बारे में सवाल पूछा गया था जो लीबिया में एक सीमेंट कंपनी में काम रह रहे हैं और भारत वापस नहीं आ पा रहे हैं।

जायसवाल ने अपने जवाब में कहा कि कामगारों के लिहाज से निकास परमिट की व्यवस्था करने के लिए हमारा दूतावास लीबिया के अधिकारियों के संपर्क में है। उन्होंने अपनी साप्तहिक प्रेस वार्ता में कहा, ये भारतीय कामगार दुबई के रास्ते बेंगाजी पहुंचे थे। वे वहां गए थे, लेकिन उनके पास उचित दस्तावेज नहीं थे। जब वे उतरे, तो उनके काम को लेकर कुछ समस्याएं थीं... हमें इन कठिनाइयों के बारे में पता चला... त्रिपोली में हमारा दूतावास सक्रिय है। हमने वहां अपने समुदाय के माध्यम से अपने कामगारों से संपर्क किया।

जायसवाल ने कहा, और, हमने उनकी मदद की है, हमने उनके भोजन, उनके दैनिक जीवन के सामान की व्यवस्था की है। त्रिपोली में हमारे सीडीए (प्रभारी) ने भी इन कामगारों से मुलाकात की है। मुझे लगता है कि यह 4 नवंबर को हुआ था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि चूंकि ये लोग बिना उचित दस्तावेजों के लीबिया गए थे, इसलिए अब देश से बाहर निकलने के लिए उन्हें लीबिया के दिशा-निर्देशों के अनुसार निकास परमिट की आवश्यकता है।

मध्य प्रदेश: देवास में मकान में आग लगने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

देवास, मध्य प्रदेश के देवास जिले में शनिवार तड़के एक मकान में आग लगने से दो बच्चों समेत एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस मकान में डेयरी भी थी। एक अधिकारी ने बताया कि नयापुरा इलाके में स्थित मकान में सुबह करीब पौने पांच बजे आग लगी। नाहर दरवाजा पुलिस थाने की प्रभारी मंजू यादव ने पीटीआई-भाषा से कहा, हमें नयापुरा में एक डेयरी में आग लगने की सूचना मिली थी और उसी परिसर में एक परिवार भी रहता था। उन्होंने कहा कि दम घुटने और झुलसने से दंपति और उनके दो बच्चों की मौत हुई। अधिकारी ने बताया कि अग्निशमन विभाग की एक टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि मामले में विस्तृत जानकारी अभी नहीं मिल पाई है।

राजस्थान: टैंकर हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हुई

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, जयपुर में गैस टैंकर हादसे में मरने वालों की संख्या शनिवार को बढ़कर 14 हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। हादसे में घायल हुए 30 से ज्यादा लोग अब भी अस्पताल में भर्ती हैं। चिकित्सा विभाग के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि हादसे में घायल हुए दो और लोगों की मौत हो गई तथा इसी के साथ मृतकों की संख्या बढ़कर 14 हो गई। भांकरोटा इलाके में जयपुर-अजमेर राजमार्ग पर शुक्रवार तड़के एक ट्रक ने एलपीजी टैंकर को टक्कर मार दी थी, जिससे लगी आग ने 35 से अधिक वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया था।

फरार चल रहे शातिर लुटेरे को पीजीआई पुलिस ने गिरफ्तार किया

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। पीजीआई थाना प्रभारी रवि शंकर त्रिपाठी ने बताया कि बीते वर्ष आठ अक्टूबर को उर्मिला यादव की तहरीर पर अज्ञात बाइक सवार लुटेरे के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया था। पुलिस टीम केस दर्ज कर लुटेरों की तलाश कर रही थी इस बीच आशियाना थाने की पुलिस ने दो शातिर लुटेरों गोलू तिवारी उर्फ सुरजीत तिवारी पुत्र शिवशकर तिवारी निवासी तौधिकपुर थाना हालियापुर जनपद सुल्तानपुर और विक्की उर्फ विवेक कनौजिया पुत्र संतोष कुमार कनौजिया नि०- कटरा बिजनवेग चौपटिया म0नं0- 403/50 थाना सहादत गंज बीते आठ नवंबर 2023 को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चैन बरामद करते हुए जेल भेज दिया गया था । इसके बाद उसका साथी सलाउद्दीन उर्फ सुब्बी पुत्र गयासुद्दीन नि० 56/60 चुटकी भंडार भुइयन देवी मंदिर के पास थाना हुसैनगंज का नाम प्रकाश में आया था जो लूटेरो को वाहन व सुविधा उपलब्ध कराता था,जिसके बाद उसकी।

खेलों के माध्यम से युवाओं को नई उड़ान दे रहे हैं डॉ. राजेश्वर सिंह

सरोजनीनगर स्पोर्ट्स लीग का छठा चरण युवाओं में जोश भरने में सफल

डॉ. राजेश्वर सिंह का विजन: सरोजनीनगर में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित कर बना रहे हैं स्पोर्ट्स हब

पहला मुकाबला : नेशनल पब्लिक स्कूल बनाम एलपीएस साउथ सिटी झ एलपीएस साउथ सिटी ने 39 रनों से दर्ज की जीत।

दूसरा मुकाबला। कोल्विन पब्लिक स्कूल बनाम अवध कॉलेजिएट झ अवध कॉलेजिएट ने 52 रनों से अपने नाम किया मैच।

तीसरा मुकाबला। कमल दिल्ली पब्लिक स्कूल बनाम स्टारलिंग इंटर कॉलेज झ कमल दिल्ली पब्लिक स्कूल को वॉकओवर मिला।

चौथा मुकाबला। एलआरएसएस बांथरा बनाम सैक्रेड हार्ट स्कूल झ एलआरएसएस बांथरा ने 12 रनों से रोमांचक जीत दर्ज की।

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर में खेलों का महोत्सव अपने चरम पर है। विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के दूरदर्शी नेतृत्व और समर्पण के कारण क्षेत्र में युवाओं को खेल के लिए नया मंच और बेहतर संसाधन उपलब्ध हो रहे हैं। डॉ. सिंह द्वारा प्रारंभ की गई सरोजनीनगर स्पोर्ट्स लीग के छठे चरण में आयोजित क्रिकेट चैंपियनशिप ने इंटर स्कूल और इंटर क्लब की 200 से अधिक टीमों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान किया है। शनिवार को इंटर स्कूल लीग में चार शानदार मुकाबले हुए, जिनमें खिलाड़ियों और दर्शकों का जोश देखते ही बन रहा था।

पहले मैच में नेशनल पब्लिक स्कूल और एलपीएस साउथ सिटी की टीमों ने अपना दमखम दिखाया, जिसमें एलपीएस साउथ सिटी ने 39 रनों से जीत दर्ज की। दूसरे मैच में कोल्विन पब्लिक स्कूल और अवध कॉलेजिएट के बीच जोरदार टक्कर हुई, जिसमें अवध कॉलेजिएट ने 52 रनों से मुकाबला जीता। तीसरा मैच कमल दिल्ली पब्लिक स्कूल और स्टारलिंग इंटर कॉलेज के बीच निर्धारित था, लेकिन स्टारलिंग इंटर कॉलेज की टीम समय पर मैदान पर नहीं पहुंच सकी, जिसके कारण कमल दिल्ली पब्लिक स्कूल को वॉक ओवर मिला। दिन का अंतिम और चौथा मैच एलआरएसएस बांथरा और सैक्रेड हार्ट स्कूल के बीच खेला गया, जिसमें एलआरएसएस बांथरा ने 12 रनों से रोमांचक जीत दर्ज की।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा, युवाओं को शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाने के लिए खेलों का विशेष महत्व है। सरोजनीनगर स्पोर्ट्स लीग क्षेत्रीय प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें भविष्य में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों तक ले जाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता का हिस्सा है। सरोजनीनगर में खेलों का महाकुंभ डॉ. राजेश्वर सिंह के नेतृत्व और उनकी दूरदर्शी सोच का नतीजा है। उनके इस प्रयास से क्षेत्र में खेल संस्कृति को बढ़ावा मिल रहा है। स्थानीय युवाओं और जनता का जबरदस्त उत्साह यह दर्शाता है कि सरोजनीनगर में खेलों का एक नया युग प्रारंभ हो चुका है। खेलों की यह पहल न केवल युवाओं के लिए नए अवसर प्रदान कर रही है, बल्कि सरोजनीनगर को खेल प्रतिभाओं की नई नर्सरी के रूप में उभरने में भी मदद कर रही है।

पुलिस के हत्थे चढ़ा कूटरचित दस्तावेज से फर्जी बैनामा करने वाला आरोपी

अमन लेखनी समाचार

आरोपी चंद्रपाल – फोटो

लखनऊ। दूसरे की जमीन को अपनी बताने और कूटरचित दस्तावेज तैयार कर पैसे लेकर रजिस्ट्री करने वाले एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामले में खुद को जमीन का मालिक बता रहा था आरोपी।

मलिहाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम पतौना निवासी भगवानदीन ने बीते 2 फरवरी 2024 को मलिहाबाद पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि चंद्रपाल निवासी ग्राम सरथरा थाना माल ने दूसरे की जमीन को अपनी बताने और कूटरचित दस्तावेज तैयार कर चंद्रपाल से कालीचरण बन पैसे लेकर जमीन की रजिस्ट्री करा दी थी। जब इसकी जानकारी भगवानदीन को हुई तो उसने इसका विरोध किया और चंद्रपाल से उसने अपने पैसे वापस मांगे जिसके बाद चंद्रपाल ने उसके साथ अभद्र तरीके से पेश होकर गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी जिसके बाद भगवानदीन ने मलिहाबाद थाने पर कूट रचित दस्तावेज के साथ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज करवाया था। जिसके बाद पुलिस ने शनिवार को मोहान तिराहे से आरोपी चंद्रपाल को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया।

संजय विनायक जोशी का कार्यकर्ताओ ने किया जोरदार स्वागत

(भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संजय विनायक जोशी का मोहनलालगंज कस्बे में कार्यकर्ताओ ने किया जोरदार स्वागत)

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज।मोहनलालगंज कस्बे में शनिवार को भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संजय विनायक जोशी का कार्यकर्ताओ ने फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया।भाजपा मीडिया प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अशोक तिवारी ने संजय विनायक जोशी को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भी भेट किया।स्वागत से अभिभूत संजय विनायक जोशी नें कार्यकर्ताओ को धन्यवाद दिया।बीते शनिवार को उन्नाव जनपद के जबरेला में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होकर मोहनलालगंज के रास्ते लखनऊ जा रहे भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय संगठन महामंत्री सजंय विनायक जोशी का मोहनलालगंज कस्बे में स्थित बस स्टाप पर भाजपा मीडिया प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अशोक तिवारी के नेतृत्व में सैकड़ो कार्यकर्ताओ ने फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया।भाजपा नेता ने पूर्व राष्ट्रीय संगठन महामंत्री सजय विनायक जोशी को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भी भेट किया।इस मौके पर भाजपा नेता संजय तिवारी(बब्लू), पूर्व प्रवक्ता आर के द्विवेदी,सैनिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक मनोज सिंह,वरिष्ठ पत्रकार अखिलेश द्विवेदी, ललित दीक्षित,आशीष द्विवेदी, राघवेन्द्र तिवारी,एडवोकेट उमेश तिवारी, शिव नारायण बाजपेयी, एडवोकेट सतीश शुक्ला,भाजपा सभासद हिमांशु तिवारी,सभासद अरूण कुमार,उद्धव मिश्रा समेत काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहें।

तहसील में डीएम की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में वकील दिखे नाराज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर तहसील में डीएम सूर्यपाल गंगवार की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में शनिवार को वकील काफी नाराज दिखे। सरोजनीनगर तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कमलेश प्रताप सिंह चौहान के नेतृत्व में नारेबाजी करते तहसील सभागार पहुंचे वकीलों ने डीएम से तहसील अधिकारियों की शिकायत की। उनका कहना था कि कृषि भूमि को आवासीय में परिवर्तित करने के लिए (धारा 80), पट्टे की जमीन (असंक्रमणीय) को संक्रमणीय करने के लिए (धारा 98) और किसी भी जमीन का बंटवारा करने के लिए (धारा 116) जितनी तेजी दिखाई जाती है, उतनी तेजी दाखिल खारिज या वरासत (धारा 34) में क्यों नहीं दिखाई जाती। संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश सिंह चौहान ने आरोप लगाया कि धारा 80, धारा 98 और धारा 116 में तहसील कर्मियों को मोटी रकम मिल जाती है। इसलिए उसको जल्दी निपटा देते हैं। जबकि दाखिल खारिज या वरासत में ऐसा नहीं हो पाता। इसलिए उसमें देरी लगाई जाती है। वकीलों की इस बात पर डीएम ने कहा कि ऐसा नहीं है। कोई भी जमीन अगर विवादित नहीं है, तो धारा 34 के तहत साल भर के अंदर हर हाल में निपटारा करना होगा। उन्होंने यह निर्देश तहसील अधिकारियों को भी दिए। सरोजनीनगर तहसील बार एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश सिंह चौहान ने बताया कि तमाम ऐसी फाइलें हैं, जिनमें तहसील कार्यालय में बैठकर रिपोर्ट लगाने के बजाय तहसील के संबंधित अधिकारी अपने साथ उठा ले जाते हैं और अपनी गाड़ियों में लिए घूमा करते हैं। मोटी रकम मिलने पर होटल में बैठकर रिपोर्ट लगाई जाती है। सरोजनीनगर तहसील बार एसोसिएशन की ओर से इस दौरान जिलाधिकारी को दो अलग-अलग पत्र भी दिए गए। जिसमें उन्होंने सरोजनी नगर उपनिबंधक कार्यालय को तहसील परिसर में लाने की मांग की। उन्होंने कहा कि तहसील को संचालित हुए दो वर्ष हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद सरोजनी नगर उप निबन्धन कार्यालय बिजनौर में घनी आबादी के बीच किराए पर संचालित हो रहा है। जिससे लाखों रुपए की राजस्व हानि हो रही है। इसके अलावा संगठन ने सरोजनीनगर चकबंदी न्यायालय कैसरबाग के बजाय सरोजनीनगर में संचालित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि कैसरबाग स्थित पुरानी तहसील में चकबंदी न्यायालय संचालित होने के कारण वादकारियों और अधिवक्ताओं को आने-जाने में परेशानी होती है। क्योंकि यहां से वह करीब 20 किलोमीटर दूर है। इसलिए उसे भी सरोजनीनगर तहसील के आसपास ही स्थानांतरित किया जाए। उनकी इस मांग पर डीएम ने एसडीएम से तहसील के आसपास ही जगह चिन्हित करने के निर्देश दिए। वकीलों ने बताया कि सरोजनीनगर तहसील बार एसोसिएशन द्वारा इसको लेकर पहले भी ज्ञापन दिया जा चुका है, लेकिन चकबंदी न्यायालय को अभी तक नहीं यहाँ स्थानान्तरित किया गया।

संपूर्ण समाधान दिवस में सरोजनीनगर के दिनेश सिंह चौहान ने शिकायत की कि राजस्व गांव जैती खेड़ा की गाटा संख्या 1076 जो ऊसर में दर्ज है, उसका विक्रय कूट रचित तरीके से नैय्यर लैंड इंफ्रा प्रा. लि. के निदेशक गुरविन्द सिंह द्वारा अलग-अलग लोगों को किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले को लेकर बीती 26 अक्टूबर 2023 को सरोजनीनगर एसडीएम से इसकी शिकायत की गई थी। जिसमें जांच के आदेश हुए। लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

वहीं उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ की उप शाखा तहसील सरोजनीनगर के अध्यक्ष सुधीर कुमार शर्मा और मंत्री नीतू यादव द्वारा मुख्यमंत्री के नाम संबोधित एक ज्ञापन डीएम को सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया कि बरेली जिले में लेखपाल मनीष कश्यप की संदिग्ध परिस्थितियों में अपहरण कर निर्मम हत्या कर दी गई। उन्होंने बताया कि एंटी भू माफिया अभियान के तहत सरकारी भूमि अतिक्रमण की जांच का कार्य चल रहा है। जिसमें उक्त लेखपाल के क्षेत्र में गंगा नदी तलहटी की जमीन पर अवैध कब्जे के प्रकरण संज्ञान में आए। इसको लेकर लेखपाल और ग्राम प्रधान के बीच कुछ विवाद भी हुआ। बाद में लेखपाल का स्थानांतरण कर दिया गया। 27 नवंबर से लेखपाल गायब हो गया। लेखपाल मनीष कश्यप के गायब होने की सूचना उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ पदाधिकारियों द्वारा थाना प्रभारी और एसडीएम व अन्य अधिकारियों को दी गई। लेकिन उसे गंभीरता से नहीं लिया गया। करीब 18 दिन बाद 15 दिसंबर को लेखपाल मनीष कश्यप का नर कंकाल बरामद हुआ, जो संदिग्ध प्रतीत होता है। पुलिस उसे फिरौती के लिए हत्या की घटना बता रही है। जबकि मृतक लेखपाल के परिजनों द्वारा अभी तक ऐसी कोई डिमांड नहीं बताई गई। ज्ञापन में लेखपाल मनीष कश्यप की हत्या का सत्यापन के लिए डीएनए जांच की शीघ्र रिपोर्ट मंगवाकर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की गई। साथ ही सीबीआई से जांच कर दोषियों की गिरफ्तारी व सख्त सजा की मांग की। उन्होंने मामले में लापरवाह पाए गए अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की। मृतक के परिवार को 50 - 50 लाख रुपए आर्थिक सहायता और मृतक आश्रित कोटे से नौकरी व पेंशन भुगतान किए जाने की मांग की। इसके अलावा कई अन्य मांगे भी ज्ञापन में कही गई हैं।

आज आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में पुलिस व विकास से संबंधित 7 -7, राजस्व से संबंधित 99, समाज कल्याण से संबंधित 2 और अन्य 35 शिकायतों सहित कुल 150 शिकायतें दर्ज हुई। जिसमें से राजस्व की 41 शिकायतों सहित 57 शिकायतों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। जबकि शेष शिकायतों को एक सप्ताह के भीतर निस्तारित करने के आदेश दिए गए।

अधिवक्ताओं ने इंस्पेक्टर पर अमानवीय व्यवहार करने का लगाया आरोप,नारेबाजी

पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते – अधिवक्ता

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। शनिवार को मलिहाबाद तहसील के अधिवक्ताओं ने मलिहाबाद इंस्पेक्टर पर अमानवीय व्यवहार करने का आरोप लगाते पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए एसीपी से शिकायत की। मलिहाबाद बार एसोसिएशन के अधिवक्ता संतोष यादव, शाहबाज खान व हरिश्चंद का आरोप है कि शुक्रवार शाम अपने क्लाइंट के साथ मलिहाबाद थाने गए थे। जहां किसी बात को लेकर मलिहाबाद थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश चन्द्र साहू अधिवक्ताओं को झिड़कने लगे और अमानवीय व्यवहार करते हुए कानून का पाठ पढ़ाने लगे शनिवार को मलिहाबाद बार एसोसिएशन के महामंत्री रामभरोसे की अगवाई में अधिवक्ताओं ने सहायक पुलिस को इंस्पेक्टर के विरुद्ध कार्यवाही करने के लिए शिकायत की है।

हालांकि मलिहाबाद थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश चंद्र साहू का कहना है कि अधिवक्ताओं के साथ किसी प्रकार का कोई गलत व्यवहार नहीं किया गया है।

सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे की एसडीएम से हुयी शिकायत

(मोहनलालगंज तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में एसडीएम व एसीपी ने सुनी फरियादियों की शिकायतें)

अमन लेखनी समाचार

मोह नलालगंज।मोह नलालगंज तहसील में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपजिलाधिकारी बृजेश कुमार वर्मा व एसीपी रजनीश वर्मा ने सभी विभागो के अधिकारियों की मौजूदगी में फरियादियों की शिकायतें सुनकर निस्तारण के निर्देश दिये।सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपजिलाधिकारी बृजेश कुमार वर्मा को शिकायती पत्र देते हुये अमित मिश्रा निवासी सैदापुर मजरा उतरावां ने बताया उनके गांव में सुरक्षित बंजर भूमि पर छप्पर रखकर रंजीत कुमार ने कब्जा कर लिया है,पूर्व में सरकारी जमीन से अवैध कब्जा हटाये जाने के लिये सीएम हेल्पलाइन समेत थाना दिवस में शिकायत भी लेकिन अवैध कब्जा नही हटाया गया।एसडीएम ने शिकायत को गम्भीरता से लेते हुये राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीमो को मौके पर जाकर जांच कर अवैध कब्जा हटाये जाने के निर्देश दिये।दूसरी शिकायत अंकित कुमार निवासी गौरा ने करते हुये बताया उनके गांव में स्थित चकमार्ग,नाली,बजंर दर्ज सरकारी जमीनो पर बिल्डरो व प्रापर्टी डीलरो द्वारा कब्जा कर निर्माण कराने का आरोप लगाते हुये सरकारी जमीनो से अवैध कब्जा हटाये जाने की मांग की।एसडीएम ने राजस्व व नगर पंचायत की टीम को जांच कर कब्जा हटवाये जाने के निर्देश दिये।तीसरी शिकायत महिला पुष्पा निवासी मलौली ने करते हुये बताया वो गोसाईगंज विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय मलौली में बीते दस वर्षो से रसोईया है ओर अपना काम पूरी ईमानदारी से कर रही है उसके बाद भी विद्यालय के सहायक अध्यापक ने सादे कागजो पर हस्ताक्षर कराकर मुझे रसोईये के पद से जबरन हटाकर दूसरी महिला का रसोईये के पद पर चयन किया गया।एसडीएम ने एबीएसए को जांच कर निस्तारण के निर्देश दिये। एसीपी रजनीश वर्मा से शिकायत करते हुये बेचालाल, रामनरेश ,सुभाष कुमार, अमृतलाल ,शिवबालक निवासी नगराम ने करते हुये बताया 2018 में रामखेलावन निवासी ग्राम डेहवा थाना नगराम ने नौकरी दिलाने के नाम पर सभी से एक एक लाख रुपए कुल पांच लाख रुपए लिये थे लेकिन नौकरी नही दिला पाये ओर पैसा वापस मगांने पर दो लाख का चेक दिया था लेकिन खाते में पैसा ना होने पर वो बाउंस हो गया,जिसके बाद से अब तक नौकरी के नाम पर ठगी करने वाले रामखेलावन ने पैसा वापस नही किया।एसीपी ने नगराम पुलिस को जांच कर नौकरी के नाम पर ठगी करने वाले के खिलाफ कार्यवाही के निर्देश दिये।सम्पूर्ण समाधान दिवस में तहसीलदार,बीडीओ समेत सभी विभागो के अधिकारी मौजूद रहें।

संजय विनायक जोशी का कार्यकर्ताओ ने किया जोरदार स्वागत

भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संजय विनायक जोशी का मोहनलालगंज कस्बे में कार्यकर्ताओ ने किया जोरदार स्वागत

अमन लेखनी समाचार

मोह नलालगंज।मोह नलालगंज कस्बे में शनिवार को भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संजय विनायक जोशी का कार्यकर्ताओ ने फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया।भाजपा मीडिया प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अशोक तिवारी ने संजय विनायक जोशी को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भी भेट किया।स्वागत से अभिभूत संजय विनायक जोशी नें कार्यकर्ताओ को धन्यवाद दिया।

बीते शनिवार को उन्नाव जनपद के जबरेला में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होकर मोहनलालगंज के रास्ते लखनऊ जा रहे भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय संगठन महामंत्री सजंय विनायक जोशी का मोहनलालगंज कस्बे में स्थित बस स्टाप पर भाजपा मीडिया प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अशोक तिवारी के नेतृत्व में सैकड़ो कार्यकर्ताओ ने फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया।भाजपा नेता ने पूर्व राष्ट्रीय संगठन महामंत्री सजय विनायक जोशी को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भी भेट किया।इस मौके पर भाजपा नेता संजय तिवारी(बब्लू), पूर्व प्रवक्ता आर के द्विवेदी,सैनिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक मनोज कुमार सिंह,वरिष्ठ पत्रकार अखिलेश द्विवेदी,ललित दीक्षित,आशीष द्विवेदी,राघवेन्द्र तिवारी,एडवोकेट उमेश तिवारी,शिव नारायण बाजपेयी,एडवोकेट सतीश शुक्ला,भाजपा सभासद हिमांशु तिवारी,सभासद अरूण कुमार,उद्धव मिश्रा समेत काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहें।

रहमान खेड़ा में लगे कैमरों की नजरों से ओझल हुआ बाघ

शनिवार को बेहता नाले व अन्य जगहों पर मिले बाघ के पगचिन्ह

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। जंगल में शनिवार को बाघ की चहलकदमी नजर नहीं आई। जंगल से तीन किमी दूर मलिहाबाद के नई बस्ती धनेवा गांव में किसान ज्ञानेंद्र की बाग में बाघ के पगचिह्न देखा गया। वहां के ग्रामीण दहशत में है।

जंगल से मीठे नगर गांव जाने वाले खड़ंजा मार्ग पर ग्रामीणों ने बाघ देखे जाने की बात कही, जिसके बाद मौके पर पहुंची वन विभाग और डब्लूटीआई की टीम ने ड्रोन कैमरे से जांच पड़ताल की। इस दौरान पगचिह्न सियार के होने की पुष्टि हुई। बाघ की ओर से और किसी भी जानवर का शिकार किये जाने की पुष्टि नहीं हुई है। डीएफओ डॉ. सितांशु पाण्डेय ने बताया कि शुक्रवार सुबह कंट्रोल रूम के पास बाघ की चहलकदमी करते हुए कैमरे में कैद हुआ था, लेकिन उसके बाद बाघ की लोकेशन कही नही मिली। शनिवार सुबह जंगल के पास बेहता नाला के किनारे बाघ के पगचिन्ह मिले थे। जिसके बाद मौके पर जाकर जांच पड़ताल की। ड्रोन कैमरे में भी बाघ की लोकेशन नही मिली।

जहां नीलगाय मृत मिली थी वहीं बनेगा टॉवर

डीएफओ डॉ. सितांशु पाण्डेय ने बताया कि जंगल के चौथे ब्लॉक में जिस जगह बाघ ने नीलगाय का शिकार किया था उसी के पास वॉच टॉवर बनकर तैयार किया गया है। जिसमे रात में कानपुर प्राणी उद्यान के डॉ. नासिर रुककर निगरानी करते हुए बाघ को ट्रेंकुलाइज करने का प्रयास करेंगे। जंगल के आसपास के क्षेत्रों में ड्रोन कैमरे से निगरानी की जा रही है।

गाड़ियों के आहट से बदला गया कंट्रोल रूम की जगह

डीएफओ ने बताया कि संस्थान के चौथे ब्लॉक में बाघ के संभावित स्थल के पास बने कंट्रोल रूम को हटाकर तीन किमी दूर दूसरी जगह बनाया गया है। दिन और रात में टीम की गाड़ियों की आवाजाही और मानवीय गतिविधियों से बाघ का ठिकाना एक जगह नही हो पा रहा था। पहले नीलगाय का शिकार किये जाने वाले स्थान से सौ मीटर की दूरी पर कंट्रोल रूम बनाया गया था।

सांसद ने श्री राम मैटरनिटी हास्पिटल एण्ड ट्रामा सेंटर का फीता काट कर किया उद्घाटन

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज लखनऊ , आज सांसद आर . के . चौधरी के साथ पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर विधान सभा क्षेत्र मोहनलालगंज लखनऊ के ग्राम सभा भावा खेड़ा रायबरेली रोड नियर इंडियन पेट्रोल पम्प निगोहां लखनऊ में श्री राम मैटरनिटी हॉस्पिटल एण्ड ट्रॉमा सेंटर के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए हॉस्पिटल के संस्थापक विनोद कुमार सिंह तथा मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ श्रृषि सिंह द्वारा स्वागत अभिनन्दन किया गया इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष उमाशंकर वर्मा जिला उपाध्यक्ष नवनीत सिंह पूर्व प्रधान अजय सिंह अशर्फी लाल धीमान शैलेन्द्र सिंह दीपू ज्ञानेन्द्र बहादुर सिंह आई . पी . सिंह अजीत कुमार साहू राम किशोर रावत संतराम रावत ओमकार लोधी हरीशंकर रावत सहित कई लोग मौजूद रहे ।।

छात्रा को अगवा कर किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। नौवीं की छात्रा को बहला फुसला कर घर से अगवा कर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने मिजार्गंज चौराहे से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पिता की तहरीर पर पुलिस ने अपरहण का मुकदमा दर्ज किया था।

बीते शुक्रवार को माल थाना क्षेत्र के ग्राम थावर निवासी आरोपी कमलेश कुमार गौतम मलिहाबाद थाना क्षेत्र की एक गांव निवासी नाबालिग 14 वर्षीय नौवीं की छात्रा को घर के बाहर बुलाकर अपरहण कर छात्रा के साथ दुष्कर्म किया था। शनिवार को मलिहाबाद पुलिस ने मलिहाबाद चौराहे से छात्रा को बरामद करते हुए आरोपी कमलेश को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में मलिहाबाद थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश चंद्र साहू ने

आरोपी कमलेश – फोटो

बताया कि पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर छात्रा की तलाश शुरू कर दी थी कुछ घंटे के अंदर छात्रा को सकुशल बरामद कर आरोपी को गिरफ़्तार कर जेल भेज दिया गया है। छात्रा के बयान के बाद आरोपी पर दर्ज अपहरण के मुकदमे में पॉक्सो दुष्कर्म और बीएनएस की धारा को बढ़ा दिया जाएगा। आरोपी उत्तराखंड प्रदेश के हरिद्वार में एक होटल में कम करता था।

जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में झगड़ा

अमन लेखनी समाचार

नगराम। नगराम थाना क्षेत्र के देवती गांव में शनिवार जमीनी विवाद को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी होने लगी।विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए और लाठी डंडों फावड़ा, कुल्हाड़ी से एक दूसरे पर जमकर मारपीट की। जिसमें दोनों पक्षों को गम्भीर चोटें आई। एसओ विवेक कुमार चौधरी ने बताया दोनों पक्षों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जहां शुरू कर दी गई है।

संक्षेप

सीएचसी में महिला का उपचार न होने से पीड़िता ने सीएम पोर्टल पर की शिकायत

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज कराने गई महिला का उपचार न होने से आहत महिला द्वारा मुख्यमंत्री के पोर्टल पर स्वयं का इलाज न किये जाने की शिकायत दर्ज कराई है। नगर पंचायत फतेहपुर चौरासी के मोहल्ला गांधी नगर निवासी शशि द्विवेदी पत्नी स्वर्गीय देवेंद्र द्विवेदी पेट दर्द से पीड़ित होने के कारण शुक्रवार को शाम 6 बजे के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उपचार हेतु पहुँची थी, परन्तु वहाँ कोई चिकित्सक नहीं था, पीड़िता के तीमारदार ने जब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक को इस बाबत दूरभाष पर सूचना दी तो उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल में हमेशा डॉक्टर मौजूद रहते हैं यह छोटा अस्पताल है यहां डॉक्टर आवास पर रहते हैं ।फार्मासिस्ट से कह दो वह डॉक्टर बुला देगा या मैं फोन किये देता हूँ। जिसके काफी देर बाद डॉक्टर अस्पताल पहुंचे तब तक मरीज दर्द से तड़पता रहा। हालांकि काफी देर बाद पहुंचे चिकित्सक द्वारा पीड़ित का उपचार किया गया।सी एच सी के चिकित्सकों की कार्यशैली से आहत पीड़ित महिला द्वारा मुख्यमंत्री के पोर्टल पर समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर चौरासी की शिकायत की गई है ।महिला द्वारा की गई शिकायत का कितना प्रभाव पड़ेगा यह अभी भविष्य के गर्भ में है ।

अनियंत्रित ट्रक ने बाइक में मारी टक्कर, अधेड़ महिला की मौत

सफीपुर, उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र अंतर्गत लखनऊ बांगरमऊ मार्ग पर पेसारी मोड़ चौधरीखेड़ा गाँव के समीप अनियंत्रित ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी जिससे बाइक पर पीछे बैठी अधेड़ महिला की मौत हो गयी सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है । आसीवन थाना क्षेत्र के परसौरा गाँव की रहने वाली 65 वर्षीय कलावती पत्नी प्यारेलाल अपने छोटे बेटे नीरज 26 वर्ष के साथ बाइक से बांगरमऊ किसान सम्मान निधि का फार्म भरने बांगरमऊ बीज भंडार जा रही थी अभी वह लखनऊ बांगरमऊ मार्ग पर पेसारी मोड़ चौधरी खेड़ा गाँव के पास ही पहुंची थी की बांगरमऊ की ओर से आ रहे अनियंत्रित ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे कलावती की मौके पर दर्दनाक मौत हो गयी व बेटा बाल बाल बच गया सूचना पर पहुँची आसीवन पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है व ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया है । मृतका की मौत की खबर सुनकर बड़ा बेटा टेक चन्द्र व बेटी सुमन,निर्मला,फूल दुलारी,लज्जावती सहित परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है ।

आयोजित प्रीमियम क्रिकेट टूर्नामेंट का किया गया शुभारंभ

सफीपुर, उन्नाव। शीतल बाग मियाँगंज में आयोजित प्रीमियम लीग क्रिकेट टूनार्मेंट का शुभारंभ शोषल मीडिया स्टार शहजादे मोबीन खान एवं मो० असद अंसारी,समाजसेवी शीबू अहमद ने फीता काटकर किया और आयोजकों आमिर खान,शाहिल, आरिफ,विशाल,परवेज को बधाई दी । आयोजकों ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया । इस अवसर पर आमिर खान,शाहिल, परवेज, आरिफ, विशाल, शुफियान खान,मोबीन खां, अकील अंसारी,फजीउर रहमान, जाफर अंसारी, फैज पठान, खालिद अंसारी,शादाब अंसारी, जावेद अंसारी, फैशल अंसारी,रहीश बाबू सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहें ।

हम अधिकारों की बात करने के साथ , हमारा दायित्व क्या है उस पर विचार करना जरूरी : संजय जोशी

नारायण समाज सेवा संस्थान द्वारा आयोजित संगोष्ठी एवम समरसता भोज कार्यक्रम में उन्नाव पहुंचे भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री संगठन संजय जोशी

अमन लेखनी समाचार / शिवेंद्र प्रताप सिंह ब्यूरो प्रमुख

उन्नाव। असोहा विकास खण्ड के जबरेला गांव में आज नारायण समाज सेवा संस्थान की ओर से समरसता भोज एवम संगोष्ठी का आयोजन संस्थान के अध्यक्ष अनिल तिवारी के द्वारा किया गया। जिसमे पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री संगठन संजय जोशी का संस्था के सदस्यों ने अंग वस्त्र, प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया। सरस्वती एवम् भारत माँके चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उपस्थित लोगो को सम्बोधित करते हुए संजय जोशी ने कहा कि शरीर मे जब चोट लगती है तो दर्द पूरे शरीर को होता है। हम अधिकारों की बात तो करते है लेकिन हमारा दायित्व क्या है उस पर विचार नही करते है। देश, समाज से पाना तो सब कुछ चाहते है परंतु हमारा योगदान देश व समाज के प्रति क्या है इसके बारे में जरूर आत्मविश्लेषण कर लेना चाहिए। हम सभी का कर्तव्य है कि हम सभी मिलकर एक होकर समाज को एकत्रित करते हुए आगे बढ़े, यदि बटेंगे तो कटेंगे। जूना अखड़ा से आये महंत सिधेश्वरानंद जी महाराज ने प्रबुद्ध जनों को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्ण व्यवस्था पूर्व से चली आ रही है। आज इस वर्ण को बांट कर हम हिन्दुओं को अलग किया जा रहा है। हमे यह सोचना चाहिए कि हम सर्व प्रथम हिन्दू है, जो छुद्र राजनीति कर रहे है वो हम हिन्दुओ को बरगलाकर वर्ण व्यवस्था में बांट कर भाई भाई को लड़ाने का काम कर रहे है हमको सचेत होने की जरूरत है नही तो हम बटेंगे और कटेंगे। नारायण सेवा संस्थान ने गरीब महिला , पुरुषो को मुख्य अतिथि के द्वारा कम्बल वितरित किया गया।और संस्था ने पत्रकारों अंग वस्त्र डायरी पेन भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रुप से के के शुक्ला, रमेश तूफानी, विनय श्रीवास्तव, बालकृष्ण तिवारी आदि ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम में विमल द्विवेदी, के डी त्रिवेदी, बालेन्द्र प्रताप सिंह, सतीश त्रिपाठी, प्रेम शंकर दीक्षित उर्फ बच्चा भईया, त्रिभुवन दीक्षित, पी के दीक्षित उर्फ फुर्रउवा महराज, शिव कण्ठ त्रिपाठी, आशीष पांडेय, हृदेयस तिवारी, अनुज तिवारी अनमोल मिश्रा पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा गंगा प्रसाद वर्मा, आशीष बाजपेई ,अटल,जिला महामंत्री भाजपा रजनीश सिंह सर्वेश पाण्डेय सुशील बाबा ,समाजसेवी रज्जन यादव , सहित सैकड़ों की संख्या में महिला पुरुष व क्षेत्र वासी उपस्थित रहे , कार्यक्रम का भव्य आयोजन अनिल तिवारी द्वारा किया गया ।

नहरो माइनरों की सफाई सवालों के घेरे में

कही पर झाड़ी तो कही पर गन्दगी

अमन लेखनी समाचार

नवाबगंज, उन्नाव। हर साल रवि फसल की बुवाई के ठीक पहले क्षेत्र की ज्यादातर नहरे माइनरों को ठेकेदारी प्रथा के अनुसार साफ सफाई का कार्य कराया जाता है ताकि तय समय सीमा पर क्षेत्र के किसानों के लिए सुलभ और आसानी से पानी समय पर उपलब्ध हो सके जिसके लिए सिंचाई विभाग को भारी भरकम बजट मिलता है पर इसकी जमीनी हकीकत और कुछ ही बयां करती है नवाबगंज ब्लॉक क्षेत्र में पड़ने वाली माइनर नहरो की सफाई में जमकर खेल खेला गया है अजगैन से निकलने वाली एक माइनर की साफ सफाई में बिल कुल भी गुणवत्ता का ख्याल नहीं रखा गया इसी तरह लखनऊ कानपुर हाईवे से मालव गांव की तरफ जाने वाली माइनर का हाल बुरा है सफाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की गई है अभी भी इन माइनरों में झाड़ियां के साथ गंदगी देखी जा सकती है वहीं अजगैन से गुजर रही नहर पर अजगैन मेडिकल सेंटर के संचालक ने उस नहर के दोनों तरफ पाट कर पानी के भाहाव को कम कर दिया उसमें अस्पताल के तरफ से कूड़ा भी फेक जाने लगा है ऐसे में

सिंचाई विभाग कार्य प्रणाली सवालों के घेरे में नजर आ रही है क्या समय पर नहरों और माइनरों की सफाई हो पाएगी लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों पर रहमत की जगह जिले का सिंचाई विभाग कार्यवाही करेगा समय से नवाबगंज विकासखंड क्षेत्र के किसानों को पानी मिलेगा।

मिशन शक्ति कार्यशाला का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में मिशन शक्ति फेस 5 के अंतर्गत कोतवाली क्षेत्र स्थित जगन्नाथ शाह मेमोरियल इंटर कॉलेज सिविल लाइन में मिशन शक्ति की एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत मुख्य अतिथि के रूप में अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी एवं नोडल अधिकारी प्रेमचंद एवं क्षेत्राधिकारी नगर सोनम सिंह, जेडी राम ध्यान पांडे, अभियोजन अधिकारी राजेश चंद तिवारी प्रभारी निरीक्षक कोतवाली प्रमोद कुमार मिश्रा, प्रभारी निरीक्षक मिशन शक्ति संतोष कुमारी, प्रभारी समिति परिवार परामर्श केंद्र डॉक्टर आशीष श्रीवास्तव ने विद्यालय प्रांगण में उपस्थित समस्त छात्राओं एवं विद्यालय में उपस्थित शिक्षिकाओं को मिशन शक्ति से संबंधित संपूर्ण जानकारियां दी। जिसमें सर्वप्रथम अभियोजन अधिकारी तिवारी ने कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न संबंधी अधिकार अधिनियमों एवं महिला हेल्पलाइन नंबर की विस्तृत जानकारी दी, तत्पश्चात जेडी पांडे ने महिलाओं को निर्भीक होने एवं आत्म रक्षा के गुर सिखाए, प्रभारी निरीक्षक मिशन शक्ति संतोष सिंह ने मिशन शक्ति से संबंधित जनपद में कौन-कौन सी जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं उनकी विस्तृत जानकारी दी, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार मिश्रा ने सभी को साइबर क्राइम संबंधित जानकारियां व हेल्पलाइन नंबरों के बारे में बताया, अंत में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपर पुलिस अधीक्षक प्रेमचंद ने बताया कि आज के युग में महिलाओं को किस प्रकार सशक्त बनना है एवं शासन की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का संपूर्ण संचालन डॉक्टर आशीष श्रीवास्तव प्रभारी परिवार परामर्श केंद्र समिति ने किया । अंत में कॉलेज के प्रबंध तंत्र से कॉलेज के प्रधानाचार्य रिंकू गुप्ता, मनन गुप्ता, गोविंद ने सभी अतिथियों को प्रतीक चिन्ह देकर कॉलेज का गौरव बढ़ाने हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया।

ग्राम पंचायत में स्वच्छता अभियान का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम के तहत साहस संस्था और एचडीएफसी बैंक द्वारा सफीपुर ग्रामीण पंचायत में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। बैंक के प्रबंधक राहुल पांडे के नेतृत्व में इस अभियान में बैंक की नवीन मार्केट शाखा (कानपुर), मुख्य शाखा (उन्नाव) और सफीपुर शाखा (उन्नाव) के 20 कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस पहल में ग्राम प्रधान, ग्राम सचिव और स्वयं सहायता समूह (SHG) की महिलाओं ने भी उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।कार्यक्रम का शुभारंभ उप-जिलाधिकारी नवीन चंद्रा ने किया। उन्होंने स्वच्छता अभियान की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज में स्थायी बदलाव लाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकते हैं। उन्होंने स्वच्छता के प्रति जागरूकता और इसे आदत में बदलने की आवश्यकता पर बल दिया।साहस संस्था के परियोजना प्रबंधक अभय ने ठोस कचरा प्रबंधन की महत्ता बताते हुए कहा कि इस पहल से न केवल पर्यावरणीय स्वच्छता को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि समुदाय में सामाजिक जिम्मेदारी का बोध भी जागृत होगा। जिले में साहस संस्था 25 ग्राम पंचायतों में ठोस कचरा प्रबंधन पर कार्य कर रही है। इसके तहत तीन पंचायतों में कचरा संग्रहण वाहन और एक पंचायत में कचरा संग्रहण केंद्र का सहयोग प्रदान किया गया है इस अभियान के दौरान स्थानीय लोगों को स्वच्छता के महत्व पर जागरूक करने के लिए संवाद सत्र भी आयोजित किए गए। एचडीएफसी बैंक और साहस संस्था का यह संयुक्त प्रयास पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी का बेहतरीन उदाहरण है।कार्यक्रम में बैंक के कर्मचारी, ग्राम प्रधान और ग्रामीण लोग उपस्थित रहे। इस अभियान ने सफीपुर ग्राम पंचायत में स्वच्छता को लेकर एक नई ऊर्जा का संचार किया।कार्यक्रम में बैकअप मैनेजर शमसुद्दीन खान कैशियर आदित्य सिंह और असिस्टेंट मैनेजर शुभम सोनी और राहुल सिंह भी मौजूद रहे।

एसडीएम की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। स्थानीय तहसील कार्यालय सभागार में आज शनिवार को उपजिलाधिकारी नम्रता सिंह की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस की बैठक का आयोजन किया गया। समाधान दिवस पर कुल 60 फरियादियों ने अपनी शिकायतें दर्ज कराई। इनमें सिर्फ 06 शिकायतों का मौके पर निस्तारण हो सका।तहसील समाधान दिवस की बैठक में सबसे अधिक 25 शिकायती पत्र राजस्व विभाग से संबंधित पंजीकृत किए गए। इनमें मात्र 06 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया जा सका। इसके अलावा पुलिस 13, विकास विभाग के 06, खाद्य एवं रसद के 05, विद्युत 03 तथा अन्य विभागों से संबंधित 08 शिकायती पत्र पंजीकृत हुए। बाकी शिकायती पत्रों का मौके पर निस्तारण न हो पाने के चलते इन्हें जल्द निस्तारण हेतु संबंधित विभागों के अधिकारियों को सौंप दिए गए।वहीं नगर के स्टेशन रोड के लगभग एक दर्जन निवासियों ने सम्पूर्ण समाधान में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि दो वर्ष पहले स्टेशन रोड के किनारे नगर पालिका परिषद द्वारा नाले का निर्माण कराया गया था। जिसमे अब आगे नाला गलत ढंग से बन रहा है नाला सिधाई न होकर रोड की जगह में बन रहा है।

रोमांचक मैच में डीसीए रेड बना चैंपियन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में अंडर 14 जनपदीय क्रिकेट लीग का आज फाइनल मैच डीसीए रेड और डीसीए येलो के मध्य खेला गया डीसीए रेड के कप्तान कृष्णा सोनी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया निर्धारित 35 ओवर के इस मैच में 144 रन बनाएं जिसमें प्रिंस यादव ने शानदार 54 रन बनाए जिसमें की आठ बेहतरीन चौके शामिल है इसके अलावा अर्नेश और कृष्णा सोनी ने क्रमशः 17 और 12 रन बनाए डीसीए येलो की ओर से अल्तमश ने नौ रन देकर तीन बहुमूल विकेट प्राप्त किया इसके अलावा देवांश और प्रतीक सिंह ने दो-दो विकेट प्राप्त किया जवाब में बैटिंग करने उतरी डीसीए येलो की पूरी टीम 140 रनों पर ऑल आउट हो गई जिसमे की कप्तान देवांश में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 39 रन बनाए जिसमें पांच चौकी चौके शामिल है इसके अलावा वाली मतीन ने 25 रन बनाकर उनका सहयोग किया कृष्ण यादव ने 19 रन बनाए डीसीए रेड की ओर से शौर्य ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 24 रन देखकर कर 4 बहुमूल्य विकेट प्राप्त किये और जीत में अहम भूमिका निभाई इसके अलावा कृष्णा सोनी ने दो विकेट प्राप्त किये मैच के उपरांत उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव अरविंद कुमार श्रीवास्तव कमल ने विजेता टीम के कप्तान कृष्णा सोनी को ट्रॉफी प्रदान की और खिलाड़ियों को व्यक्तिगत पुरस्कार वितरित किया आज के फाइनल मैच का मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार शौर्य को दिया गया और इस प्रतियोगिता का मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार डीसीए येलो के कप्तान देवांश को दिया गया मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि रन बनाना और विकेट लेने के अलावा फिजिकल फिटनेस पर भी बहुत ध्यान देना होगा जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव पीके मिश्रा उपाध्यक्ष राजेंद्र त्रिपाठी कार्यवाहक अध्यक्ष संजय राठी जिला क्रीड़ा सचिव नवीन सिन्हा ओम मिश्रा चंद्रप्रकाश आदि लोगों ने किया कार्यक्रम का संचालन आरके त्रिपाठी ने व आभार नवीन सिन्हा ने किया इस अवसर पर शिवानी गुप्ता राकेश अस्थाना शिवानी रमेश गुप्ता शाकिर सुभाष त्रिवेदी आदि गणमान्य नागरिक विशेष रूप से उपस्थित रहे अंपायरिंग नवरत्न और संदीप ने की स्कोरिंग की भूमिका में शिशिर बाजपेई रहे ।

निमार्णाधीन मस्जिद के विरोध में उतरा विश्व हिंदू परिषद

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। उप जिलाधिकारी के आवास से चंद मीटर की दूरी पर नव निमार्णाधीन मस्जिद के विरोध में उतरा विश्व हिंदू परिषद विश्व हिंदू परिषद लवकुश नगर के जिलाध्यक्ष बद्री प्रसाद मिश्र के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने उप जिलाधिकारी नवीन चंद्र को ज्ञापन देकर शिकायत दर्ज कराई कि सफीपुर नगर में हरदोई उन्नाव मार्ग पर मां गेस्ट हाउस तेलिहाई देवी मंदिर के निकट एक मस्जिद अवैध रूप से निर्मित की जा रही है जिसे जनहित में रोका जाना नितांत आवश्यक है मस्जिद निर्माण हो जाने से सनातन धर्मावलंबियों को दिक्कत होगी एवम सौहार्द बिगड़ेगा प्रतिनिधि मंडल में अविनाश , सह प्रांत मंत्री अवध प्रांत , सुरेंद्र कुशवाहा,सतगुरु मिश्रा एडवोकेट,पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा सहित कई लोग शामिल रहे

मार्ग दुर्घटना में घायल महिला की इलाज के दौरान मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में हाईवे पर शुक्रवार शाम सड़क दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गई। महिला को तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। बाद में इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम कराया। बाइक को जब्त कर लिया है।जानकारी के अनुसार, रजवा खेड़ा गांव निवासी मुल्लू निषाद की पत्नी चंदावती (54) शुक्रवार की शाम को हाईवे स्थित एनएस अस्पताल में भर्ती रिश्तेदार से मिलने गई थीं। रिश्तेदार से मिलने के बाद बीती रात जब वह घर वापस लौट रही थीं। हाईवे पर कानपुर से लखनऊ की ओर जा रही तेज रफ्तार बाइक सवार ने उन्हें टक्कर मार दी। यह हादसा डिवाइडर के पास हुआ। जहां बाइक सवार ने महिला को जोरदार टक्कर मारी।टक्कर लगते ही चंदावती उछलकर सड़क पर गिर गई। उनके शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। महिला के दोनों हाथ फैक्चर हो गए, साथ ही कमर और पैर की हड्डी भी टूट गई। इसके अलावा, सिर पर गंभीर चोटें आईं। जिससे उनकी हालत और भी बिगड़ गई। दुर्घटना के बाद आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और घायल महिला को जिला अस्पताल भेजने के लिए एम्बुलेंस बुलवाई।अस्पताल में इलाज के दौरान चंदावती की हालत लगातार बिगड़ती गई। देर रात उनकी मौत हो गई। मौत की सूचना पाकर परिवार में कोहराम मच गया। घटना की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। शनिवार दोपहर को शव का पोस्टमॉर्टम किया गया।पुलिस ने दुर्घटना में शामिल बाइक को अपने कब्जे में ले लिया है। मामले की जांच शुरू कर दी है। चौकी इंचार्ज राहुल सिंह गौड़ ने बताया कि आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। बाइक सवार के खिलाफ जांच चल रही है।

लेखपाल की हत्या से आक्रोशित जनपद के लेखपालों ने किया धरना प्रदर्शन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। बरेली जिले में हाल ही में हुई लेखपाल मनीष कश्यप की हत्या के खिलाफ उन्नाव जिले में लेखपालों ने विरोध प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के बैनर तले हुए इस विरोध प्रदर्शन में लेखपालों ने मनीष कश्यप के हत्यारों के खिलाफ जल्द से जल्द कार्यवाही करने की मांग की। साथ ही, लेखपाल संघ ने राजस्व कार्यों के दौरान लेखपालों के साथ हो रही घटनाओं पर भी तत्काल ध्यान देने की अपील की है।लेखपालों का यह विरोध प्रदर्शन उन्नाव जिले में जबरदस्त रूप से देखा गया। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में मोमबत्तियां लेकर कैंडल मार्च निकाला और शांति पूर्वक अपनी आवाज उठाई। इस कैंडल मार्च का उद्देश्य मनीष कश्यप की हत्या के मामले में न्याय की मांग करना था, ताकि ऐसे अपराधियों को कड़ी सजा मिल सके। लेखपाल संघ के सदस्यों ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने की भी मांग की।मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उन्नाव के उऊड प्रेम प्रकाश मीणा को सौंपा गया। ज्ञापन में लेखपाल संघ ने यह भी कहा कि वे अक्सर राजस्व कार्यों के दौरान शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न का सामना करते हैं। इन घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। लेखपाल संघ के पदाधिकारियों ने यह भी कहा कि सरकार को लेखपालों की सुरक्षा और उनके कार्यस्थल पर हो रही घटनाओं को लेकर सख्त कानून बनाने चाहिए।उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के उन्नाव जिला अध्यक्ष महेंद्र यादव के नेतृत्व में इस विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया था। महेंद्र यादव ने कहा, ₹हमारी मांग है कि मनीष कश्यप के हत्यारों को शीघ्र सजा मिले और लेखपालों के खिलाफ होने वाली घटनाओं पर रोक लगाने के लिए राज्य सरकार कड़े कदम उठाए।₹ उन्होंने यह भी कहा कि लेखपालों के साथ हो रही घटनाओं के कारण उनके कार्यों में भी रुकावट आ रही है, जो समाज के लिए हानिकारक हो सकता है।इस विरोध प्रदर्शन में कई प्रमुख लेखपालों ने हिस्सा लिया, जिनमें बृजेश प्रताप सिंह, फूलचंद रावत, सुशील शुक्ला, अरविंद गुप्ता, बिपिन तिवारी, अवनीश तिवारी, मनोज यादव और अकाक्षां मिश्रा प्रमुख रूप से शामिल थे।इन लेखपालों ने अपने ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया कि जब तक लेखपालों की सुरक्षा को लेकर ठोस कदम नहीं उठाए जाते, तब तक वे लगातार अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ते रहेंगे।विरोध प्रदर्शन के दौरान लेखपाल संघ के सदस्य पूरे जिले में इस मुद्दे को लेकर जन जागरूकता फैलाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने मांग की कि प्रदेश सरकार और प्रशासन लेखपालों के खिलाफ हो रही घटनाओं को गंभीरता से लें और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें। इस प्रदर्शन ने यह साफ कर दिया कि लेखपालों की सुरक्षा को लेकर सरकार को तत्काल कदम उठाने की जरूरत है, ताकि भविष्य में कोई भी लेखपाल किसी भी प्रकार की हिंसा का शिकार न हो।

जिला जेल में बंद बंदियों का कैंप में किया गया चेकअप

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जिला जेल के बंदियों के लिए एक विशेष आंखों का चेक अप कैंप आयोजित किया गया। इस कैंप में जेल के कुल 252 कैदियों का आंखों का परीक्षण किया गया। कैंप का आयोजन स्वास्थ्य विभाग और जेल प्रशासन की सहयोग से किया गया था, जिसका मुख्य उद्देश्य कैदियों को उनकी आंखों से संबंधित समस्याओं का समाधान प्रदान करना था। इस विशेष चेक अप कैंप में कैदियों को निःशुल्क दवा और चश्मे वितरित किए गए।जिला जेल में आयोजित इस चेक अप कैंप में जिला चिकित्सालय से आई एक विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने कैदियों की आंखों की जांच की। डॉक्टरों ने हर कैदी की आंखों की स्थिति का बारीकी से परीक्षण किया और उन्हें उचित सलाह दी। इस जांच के दौरान 12 से अधिक कैदियों में मोतियाबिंद (कैटरेक्स) के लक्षण पाए गए। विशेषज्ञों के अनुसार, इन कैदियों के आंखों के ऑपरेशन शीघ्र ही कराए जाएंगे ताकि उनकी आंखों की रोशनी को बहाल किया जा सके।चेक अप कैंप के बाद, जिन कैदियों को चश्मे की आवश्यकता थी, उन्हें निःशुल्क चश्मे दिए गए।इसके अलावा, जो कैदी दवाइयों के लिए योग्य पाए गए थे, उन्हें भी उनकी जरूरत के हिसाब से दवाइयां वितरित की गई। यह पहल जेल प्रशासन की ओर से एक महत्वपूर्ण कदम था, जिससे कैदियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा सकीं।जिला जेल प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि इस चेक अप कैंप का उद्देश्य जेल में बंद कैदियों की स्वास्थ्य समस्याओं का समय रहते समाधान करना है। इसके अलावा, उन्होंने यह भी कहा कि जेल में अब तक इस प्रकार के कई स्वास्थ्य कैंप आयोजित किए जा चुके हैं, और भविष्य में भी ऐसे कैंप जारी रहेंगे ताकि कैदियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

सीएम संबोधित एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। तहसील बीघापुर के लेखपाल संघ द्वारा जनपद बरेली में लेखपाल मनीष कश्यप की अपहरण उपरांत निर्मम हत्या के विरोध में कई मांगो सहित मा०मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन उपजिलाधिकारी बीघापुर रनवीर सिंह को सौंपा गया।गौरतलब है कि जनपद बरेली में एंटी भूमाफिया अभियान के अंतर्गत सरकारी भूमि अतिक्रमण जांच कार्य के दौरान एक भूमाफिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने हेतु लेखपालों को निर्देश दिया गया था। जनपद बरेली में कार्यरत लेखपाल के क्षेत्र में गंगा नदी तलहटी की जमीन पर अवैध कब्जे के प्रकरण संज्ञान में आए थे जिसके प्रकरण लेखपाल मनीष कश्यप द्वारा वाद दर्ज करवाया गया था। 27 नवंबर से लेखपाल गायब होने की सूचना हो गया उ प्र लेखपाल संघ पदाधिकारियों द्वारा थाना प्रभारी एवं उपजिलाधिकारी को दी गयी थी। अपहरण के 18 दिन बाद 15 दिसम्बर को लेखपाल के नर कंकाल मिलने से सनसनी फैल गयी थी। इसी मामले को लेकर शनिवार को तहसील बीघापुर के लेखपालों द्वारा पुलिस एवं प्रशासन की संवेदनहीनता पर आक्रोश व्यक्त करते हुए मा०मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन उपजिलाधिकारी बीघापुर रनवीर सिंह को सौपते हुए मांग की गई कि बरेली में लेखपाल मनीष कश्यप की हत्या सत्यापन हेतु डी एन ए जांच के साथ सी बी आई जांच , समस्त दोषियों की गिरफ्तारी के बाद सख्त सजा , मृतक की माता एवं पत्नी - बच्चों को 50-50 लाख रुपए आर्थिक सहायता, मृतक आश्रित कोटे से नौकरी एवं असाधारण पेंशन व देयकों का तत्काल भुगतान,लेखपाल एवं राजस्व निरीक्षक के साथ शासकीय कार्य के कारण-आन ड्यूटी घटना -सरकारी कार्य में बाधाए अभद्रताए मारपीट मारने की धमकी हमला-को गैर जमानती अपराध घोषित किया जाय। इस मौके पर तहसील मंत्री गौरव मिश्रा,तहसील अध्यक्ष अविनाश सिंह आकाश सिंह, ज्ञानेंद्र यादव,पंकज कुमार,अमर सिंह ,गौरव,सहित अन्य लेखपाल उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

सरकार व किसान संगठन बातचीत से सुलझाएं मुद्दे

हरियाणा-पंजाब की सीमाओं पर लगभग दस माह से चल रहा किसान आंदोलन धीरे-धीरे गंभीर होता जा रहा है। सीमा खनौरी में गत 24 दिन से आमरण अनशन कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा के नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का स्वास्थ्य लगातार गिरता जा रहा है। इस पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताते हुए पंजाब सरकार से जवाब तलब किया। असल में 80 वर्षीय डोडेवाल कैंसर से भी पीड़ित हैं और लगातार अनशन पर होने के कारण उनके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। इसी को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा कि किसान सीधे हमारे पास आ सकते हैं या अपने प्रतिनिधि को भेज सकते हैं। उनके लिए हमारे दरवाजे हमेशा खुले हैं। याद रहे कि किसान इसी वर्ष 13 फरवरी से हरियाणा-पंजाब की सीमा पर डटे हैं। वे लगातार दिल्ली जाने की जिद पर अड़े हैं। जबकि सुप्रीम कोर्ट भी रास्ता खुलवाने की बात से इनकार कर चुका है। इस बात से कोई इनकार नहीं कर रहा कि किसानों की समस्याएं हैं। लेकिन जब सरकार बातचीत के जरिये उनका समाधान निकालने को तैयार है तो फिर दिल्ली चलो अभियान पर जोर देने का क्या औचित्य है? यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि केंद्र सरकार के मंत्रियों और पंजाब के किसान नेताओं के बीच वार्ता इसीलिए किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी, क्योंकि कुछ लोगों का इरादा दिल्ली कूच करने का अधिक था। शायद इसीलिए उन्होंने जानबूझकर ऐसी भी मांगें रखीं, जिन्हें किसी भी सरकार के लिए मानना संभव नहीं। यह बात सही है कि किसानों की सबसे बड़ी मांगें एमएसपी गारंटी कानून बनाने की है। सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए, लेकिन इससे साथ अनेक किसान संगठन जो अन्य मांगों पर अड़े हैं, वो समझ से बाहर है। 60 वर्ष की आयु के बाद हर किसान को प्रति माह दस हजार रुपये की पेंशन दी जाए। आखिर इस तरह की मांग करने वाला कोई भी यह दावा कैसे कर सकता है कि वह अपनी जायज मांगों के लिए आंदोलनरत है। यह सही है कि किसानों को आंदोलन करने का पूरा अधिकार है और देश की राजधानी दिल्ली जाने का भी, लेकिन कौन भूल सकता है कि कृषि कानून विरोधी आंदोलन के दौरान किस तरह लाल किले में भीषण हिंसा हुई थी और राजमार्गों पर कब्जा कर दिल्ली-एनसीआर के लोगों की जीवनचर्या को कितनी बुरी तरह बाधित किया गया था। दिल्ली की सीमाओं पर किसानों के कब्जे के कारण लगभग अर्थव्यवस्था को 50 हजार करोड़ से भी ज्यादा का नुकसान हुआ है। सीमाओं पर करोबार करने वाले व्यापारियों का कारोबार बंद हुआ सो अलग। निःसंदेह कुछ प्रश्नों के जवाब केंद्र सरकार को भी देने होंगे और सबसे प्रमुख प्रश्न यही है कि तीन कृषि कानून वापस लेने के बाद किसान संगठनों से जो वादे किए गए थे, उन्हें पूरा करने की दिशा में क्या किया गया। ऐसे प्रयास क्यों नहीं किए गए कि समय पर उनकी मांगों का समाधान किया जाए। किसान नेताओं को भी समझना होगा कि एमएसपी गारंटी कानून बहुत पेचीदा मामला है और कुछ राजनीति दल भी किसानों की आड़ में अपनी राजनीति चमकाने की फिराक में हैं। किसान आंदोलन का कांग्रेस भी खुलकर समर्थन कर रही है और पंजाब एवं दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी भी। यह तय है कि आने वाले दिनों में अन्य विपक्षी दल भी किसान संगठनों के पक्ष में खड़े नजर आएंगे। उनका इरादा केवल आंदोलन के सहारे अपनी सियासत चमकाने का है। किसान संगठनों को इनसे दूर रहकर सरकार संग बातचीत को आगे बढ़ाना चाहिए ताकि कोई उनके आंदोलन के सहारे अपने हित न साधे।

मंथन

अवधेश कुमार

एक साथ चुनाव की ओर अग्रसर भारत

> विधेयक पेश होने के बाद भी यह मानने वाले लोग ज्यादा नहीं होंगे कि आगामी कुछ वर्षों में एक निश्चित अवधि के भीतर लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव कराए जा सकते हैं। व्यावहारिक प्रारूपों के साथ लोकसभा में विधेयक प्रस्तुत होने के बाद इसे अव्यावहारिक व असंभव मानने वालों की सोच में बदलाव आएगा। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित 8 सदस्यीय समिति की रिपोर्ट आने के बाद ही मान लिया जाना चाहिए था कि मोदी सरकार विरोधियों द्वारा उठाई जा रही आशंकाओं और आलोचनाओं के बावजूद एक साथ चुनाव करने के अपने लक्ष्य को साकार करना चाहती है। केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा इसकी स्वीकृति के बाद अगला कदम विधेयक पेश होना था।

एक देश एक चुनाव विधेयक लोकसभा में प्रस्तुत किए जाने के समय विपक्षियों का विरोध अनापेक्षित नहीं है। जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका विचार देश के समक्ष रखा विरोधी पार्टियां तभी से इसके विरुद्ध रहीं हैं। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने हालांकि प्रस्तुत करते समय विपक्ष की अनेक आशंकाओं का उत्तर देते हुए स्पष्ट किया कि यह किसी तरह न राज्यों की शक्तियों के साथ छेड़छाड़ करता है, न संघीय ढांचे को कमजोर करता है और न ही संविधान की सर्वोच्चता या मूल ढांचे के ही विपरीत है। विपक्ष को इसे स्वीकार नहीं करना था और फिर मत विभाजन, जिसमें विरोध में 198 और पक्ष में 269 मत के बाद ही विधेयक पेश किया गया। पहले से माना जा रहा था कि सरकार तत्काल इसे संयुक्त संसदीय समिति को भेजेगी और यही हुआ। विधेयक पेश होने के बाद भी यह मानने वाले लोग ज्यादा नहीं होंगे कि आगामी कुछ वर्षों में एक निश्चित अवधि के भीतर लोकसभा और सभी विधानसभाओं के चुनाव कराए जा सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा इस दिशा में दिखाई गई प्रतिबद्धता और तत्परता निस्संदेह उम्मीद जगाती है कि चुनावों का बिगड़ा हुआ क्रम पटरी पर आएगा। हालांकि व्यावहारिक प्रारूपों के साथ लोकसभा में विधेयक प्रस्तुत होने के बाद इसे अव्यावहारिक व असंभव मानने वालों की सोच में बदलाव आएगा। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित 8 सदस्यीय समिति की रिपोर्ट आने के बाद ही मान लिया जाना चाहिए था कि मोदी सरकार विरोधियों द्वारा उठाई जा रही आशंकाओं और आलोचनाओं के बावजूद एक साथ चुनाव करने के अपने लक्ष्य को साकार करना चाहती है। पिछले 12 दिसंबर को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा इसकी स्वीकृति के बाद अगला कदम विधेयक पेश होना था। इसके बाद इसका पारित होना ही शेष है। चुनाव के लिए 129वें संशोधन विधेयक में स्पष्ट रूप से संविधान संशोधनों से लेकर उन सभी बातों का रेखांकन है जिनसे यह साकार हो सकता है। इसमें दो विधेयक हैं। एक संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के लिए और दूसरा विधानसभाओं वाले तीन केंद्र शासित प्रदेशों के एक साथ चुनाव कराने के संबंध में। स्थानीय निकाय चुनावों को भविष्य के लिए छोड़ा गया है। संविधान संशोधन के द्वारा एक नये अनुच्छेद जोड़ने और तीन अनुच्छेदों में संशोधन करने का प्रस्ताव है। एक, अनुच्छेद- 82(ए) जोड़ा जाएगा, ताकि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ आयोजित हो जाएं। दो, अनुच्छेद- 83 संसद के सदनों के कार्यकाल से संबंधित अनुच्छेद 83 तथा राज्य विधानसभाओं के कार्यकाल से संबंधित अनुच्छेद 172 और विधानसभाओं के चुनाव से संबंधित कानून निर्मित करने में संसद की शक्ति वाला अनुच्छेद 327 में संशोधन किया जाएगा। इसके द्वारा यह प्रावधान किया जाएगा कि आम चुनाव के बाद लोकसभा की पहली बैठक की तिथि के लिए राष्ट्रपति अधिसूचना जारी करेंगे। अधिसूचना की तिथि को नियुक्ति तिथि माना जाएगा और लोकसभा का कार्यकाल नियुक्ति तिथि से पूरे 5 वर्ष का होगा। यह प्रश्न उठाया जाता रहा है कि अगर बीच में किन्हीं कारणों से

सरकार गिर गई तो क्रम कैसे बनाए रखा जाएगा? इसका उत्तर यह है कि लोकसभा या किसी राज्य की विधानसभा समय से पहले भंग होने पर बचे हुए कार्यकाल के लिए ही चुनाव कराए जाएंगे। वास्तव में विधेयक पारित हो जाए तो 2034 से देश में एक साथ चुनाव संपन्न हो जाएगा। जिन लोगों ने कोविंद समिति की रिपोर्ट पढ़ी उन्हें इन सारी बातों की जानकारी होगी। ये विधेयक उस रिपोर्ट के अनुरूप ही है। कोविंद समिति ने यह रेखांकित किया था और सच भी है कि अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम ऐसे राज्य जहां विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ होते हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और मिजोरम के चुनाव लोकसभा चुनाव कुछ पहले होते हैं तो लोकसभा चुनाव खत्म होने के छह महीने के भीतर हरियाणा, जम्मू कश्मीर, महाराष्ट्र और झारखंड में। इसके बाद दिल्ली और फिर बिहार। 15 राज्यों को उनकी विधानसभाओं का कार्यकाल थोड़ा आगे बढ़ाने या पीछे करने से ज्यादा समस्या नहीं होगी। 2010 के बाद राज्यों में स्थिरता आई है किंतु उसके पहले की स्थितियां भी हमारे सामने हैं। केंद्र में भी 1999 से गठबंधन सरकारें भी स्थिर रहीं तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 व 2019 में देश ने एक पार्टी को बहुमत दिया। किंतु राजनीतिक स्थिति को देखते हुए वैसी अस्थिरता के खतरे को अभी भी टाला नहीं जा सकता।

दूसरे, हर वर्ष कुछ विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के चुनाव के कारण राजनीतिक दल जन समर्थन बनाए रखने के लिए आवश्यक देशहित और जनहित के मुद्दों पर चाहते हुए भी एकजुट नहीं होते, अपने मतदाताओं को लुभाने के लिए ऐसे स्टैंड लेते हैं जो जनहित और देश हित के विपरीत भी होता है। इनका दुष्परिणाम पूरे देश को भुगतना पड़ता है। 1967 तक सारे चुनाव एक साथ होते थे। 1967 में आठ राज्यों में विपक्ष की संवित सरकारों के आने, कांग्रेस के अंदर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के विरुद्ध विद्रोह और विभाजन, कांग्रेस द्वारा समय पूर्व प्रदेश सरकारों को भंग कर राष्ट्रपति शासन लगाने तथा लोकसभा का चुनाव निर्धारित समय से एक वर्ष पहले 1971 में करा लेने से पूरी चुनावी व्यवस्था पटरी से उतर गई। फिर आपातकाल में लोकसभा का कार्यकाल एक वर्ष बढ़ा दिया गया और 1977 में बनी हजनता पार्टी की सरकार 1980 में गिर गई। उसके बाद केंद्र से लेकर राज्यों तक अलग-अलग समय अस्थिरता का दौर रहा और भारत को जहां होना चाहिए वहां नहीं पहुंच सका, क्योंकि राजनीतिक नेतृत्व की क्षमता देश की चिंता से ज्यादा सरकारों में आने, उसमें बने रहने या बनाए रखने पर केंद्रित हो गया। इससे पूरे देश में ऐसे नेताओं और जनप्रतिनिधियों का आविर्भाव हुआ जिनके उद्देश्य में ही देशहित और जनहित नहीं था। राजनीतिक विकृतियों के कारण असहज और अस्वाभाविकता को ही सहज मान कर बनाए रखना और उसे पटरी पर नहीं लाने का क्या औचित्य है? यह पूरे देश के लिए अहितकर है। इसलिये एक साथ चुनाव का समर्थन करना चाहिए। प्रश्न उठ सकता है कि आखिर इन संशोधनों को मोदी सरकार दोनों सदनों में पारित कैसे कराएगी क्योंकि इसके लिए दो तिहाई बहुमत की आवश्यकता है? तत्काल इसमें समस्या दिखती है क्योंकि विपक्ष सरकार के साथ हर विषय पर आर-पार के मूड में रहता है। सरकार ने विपक्ष से बात करने के लिए वरिष्ठ मंत्रियों को विशेष उत्तरदायित्व दिया है और सदन के बाहर नेताओं से वार्ता के साथ संयुक्त संसदीय समिति में भी सहमति बनाने का पूरा प्रयास होगा। राजनीति देशहित और जनहित में ही होनी चाहिए और इसमें यही मूल लक्ष्य निहित है। इसलिए उम्मीद कर सकते हैं कि अंततः दोनों सदनों में इतना समर्थन मिल जाएगा जिससे विधेयक पारित हो जाए।

मुद्दा

प्रवीण दत्त शर्मा

विकास के लिए जरूरी 'एक देश-एक चुनाव'

संविधान का 129वां संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश हुआ। इस संशोधन में पूरे देश में एक साथ चुनाव करवाने का प्रावधान है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 17 दिसंबर को लोकसभा में 'वन नेशन वन इलेक्शन' बिल पेश किया, जिसे बहुमत से लोकसभा में स्वीकार कर लिया गया। अब यह बिल संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा जाएगा। पीएम मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस साल सितंबर में लोकसभाए राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के लिए एक साथ चुनाव कराने के लिए 'वन नेशन-वन इलेक्शन' के कार्यान्वयन को मंजूरी दी थी। हालांकि देश में एक देश एक चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों में मतभेद हैं, जहां भाजपा और सहयोगी दल इसे देशहित का कदम मान रहे हैं, वहीं विपक्षी दल इसके विरोध में हैं। एक देश-एक चुनाव की नीति आज समय की आवश्यकता है। हम देखते हैं कि देश में लगभग हर साल कहीं न कहीं छोटे-बड़े चुनाव होते रहते हैं। इस साल लोकसभा चुनाव के साथ 4 राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए। फिर हरियाणा और जम्मू-कश्मीर चुनाव हुए। लोकसभा के साथ 4 राज्यों आंध्र प्रदेश, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में विधानसभा के चुनाव हुए। इसके बाद फरवरी 2025 में दिल्ली में विधानसभा चुनाव होने हैं। यानी देश में हर साल कहीं न कहीं चुनाव होते रहते हैं। गौरतलब है कि लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं के पहले आम चुनाव वर्ष 1951-52 में एक साथ हुए थे। इसके बाद वर्ष 1957, 1962 और वर्ष 1967 में हुए तीन आम चुनाव भी एक साथ हुए थे। लेकिन यह परंपरा बाधित हुई 1968 और 1969 में। जब कुछ विधान सभाएं समय से पहले भंग हो गई थीं। वर्ष 1970 में लोकसभा को समय से पहले ही भंग कर दिया गया था और वर्ष 1971 में पुनः नए चुनाव हुए थे। आज देश में करीब-करीब हर साल कहीं न कहीं चुनाव होते रहते हैं। लेकिन बार-बार के चुनाव देश की अर्थव्यवस्था पर कहर बनकर टूटते हैं। अक्टूबर 1979 में लॉ कमीशन ने चुनावी खर्च को लेकर गाइडलाइन जारी की थीं। इस गाइडलाइन के मुताबिक, लोकसभा चुनाव का सारा खर्च केंद्र सरकार उठाती है। इसी तरह विधानसभा चुनाव का खर्च राज्य सरकार के जिम्मे है। अगर लोकसभा चुनाव के साथ-साथ किसी राज्य में विधानसभा चुनाव भी होते हैं, तो उसका आधा-आधा खर्च केंद्र और राज्य सरकार उठाती है। चुनावों में उम्मीदवार तो अपने प्रचार का खर्च खुद उठाता है, लेकिन चुनाव कराने का पूरा खर्च सरकार वहन करती है। इतना ही नहीं, बार-बार चुनाव होने से पुलिस और प्रशासन का कामकाज भी प्रभावित होता है। पुलिस की सारी ऊर्जा सुरक्षित चुनाव सुनिश्चित करने में खर्च हो जाती है। बार-बार चुनावों से पूर्व लगने वाली आचार संहिता के कारण प्रशासनिक कामकाज भी ठप होकर रह जाता है। आचार संहिता की वजह से लंबे समय तक आम जनजीवन पर असर डालने वाली कई योजनाएं रुक जाती हैं, उन पर काम नहीं हो पाता। मानव कल्याण की अनेक घोषणाएं न तो हो पाती हैं और न ही पहले से घोषित योजनाओं पर काम हो पाता है। बार-बार चुनाव के कुछ अप्रत्यक्ष नुकसान भी हैं। बार-बार सरकारी कर्मचारियों की चुनावी ड्यूटी लगती है, जिसके कारण उनका मूल काम खासा प्रभावित होता है। चुनावों में सबसे ज्यादा ड्यूटी सरकारी अध्यापकों की लगती है, जिस कारण बच्चों की शिक्षा पर बहुत खराब प्रभाव पड़ता है। इसलिए एक राष्ट्र एक चुनाव आज समय की मांग है। इससे बार-बार होने वाला चुनावी खर्च भी घटेगा और यह पैसा शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार सृजन आदि पर खर्च हो सकेगा। सरकार की नीतियों का समय पर कार्यान्वयन सुनिश्चित होगा और प्रशासनिक मशीनरी भी देश के विकास की दिशा में ज्यादा काम कर सकेगी। वर्ष 2014 में सत्ता में आने के बाद प्रधानमंत्री मोदी कई बार एक देश एक चुनाव की आवश्यकता पर जोर दे चुके हैं। 2019 में प्रधानमंत्री ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के लिए विपक्षी पार्टियों के प्रमखों की विचार-विमर्श के लिए सर्वदलीय बैठक बलाई थी।

सत्य के प्रति जागने में ही है 'जीवन की महत्ता'

संकलित

दर्शन

प्रत्येक व्यक्ति का इस जगत में आना एक संयोग है और यह संयोग परमात्मा की कृपा की देन है, लेकिन संसार में सभी के आने का संयोग कुछ पाने के लिए है, खोने के लिए नहीं। इसलिए कि खोना आसान है, परंतु पाना बहुत ही कठिन है। संसार में प्रायः लोग सोने वाले हैं, जागने वाले कम। जागने वाले ही कुछ पाते हैं और सोने वाले सब कुछ खो देते हैं। जागने वाले ही इस संसार में जीवित हैं और सोने वाले मृत। सच्चाई के लिए जागना ही है, जड़ता का त्याग। जड़ता के त्याग के बिना पशुता की स्थिति से उबरना संभव नहीं है। जड़ता सुषुप्ति की अवस्था है और जड़ता का त्याग जागृतावस्था। जागृतावस्था में जीवन के उत्थान, विकास, महानता प्राप्ति का संयोग है और सुषुप्तावस्था में मृत्यु, पतन, अवनति, निंदा, दुखभरी स्थिति है। जागने में भलाई है और सोने में बुराई है। यह पतन की ओर ले जाने वाला है। व्यक्ति जन्म के समय न कुछ लेकर आता और न ही मृत्यु के समय कुछ लेकर जाता है। झूठ बोलकर की गई सारी कमाई यहीं रह जाती हैं, लेकिन सत्य की कमाई सदा साथ रहती है। त्याग, प्रेम, सत्य, जिम्मेदारी के प्रति जागना ही जीवन में सत्कर्म है और यह सत्कर्म ही पुण्य की कमाई है, जो कभी नष्ट नहीं हो सकती। परमात्मा तो सिर्फ सत्य मार्ग पर चलने वाले का साथ देता है और कुमार्गगामी को दंड भी देता है। सत्य के प्रति सजगता ही चेतना का ऊर्ध्वमुखी होना होता है। इसके विपरीत असत्य के प्रति चेतना की जागृति विनाश, पतन का मूल है। परमात्मा प्रदत्त यह काया क्षणभंगुर है, पर इसके अंदर स्थित आत्मा अविनाशी है।

जीवन का, जीवन बीमा

संकलित

प्रेरणा

दो मित्र थे, बड़े परिश्रमी और मेहनती। अपने परिश्रम से दोनों एक दिन बड़े सेठ बन गए। दोनों ने बड़ा व्यवसाय खड़ा कर लिया। पहले सेठ ने अपनी सारी संपत्ति का बीमा करवा लिया। उसने अपने मित्र को बार बार यही परामर्श दिया की वह भी अपनी सम्पत्ति का बीमा करवा ले। परन्तु दूसरे मित्र ने उसकी बात को अनसुना कर दिया। दुर्भाग्य से एक दिन शहर में आग लग गई। दोनों की सारी संपत्ति जल कर राख हो गई। पहले सेठ ने बीमा करवा रखा था इसलिए उसे सारी संपत्ति वापिस मिल गई जबकि दूसरा मित्र निर्धन बन गया। मगर हाथ पछताने के अतिरिक्त उसके पास कोई चारा नहीं बचा था। मनुष्य का यह जन्म भी सेठ की संपत्ति के समान है। हम सभी को मालूम है की एक दिन इस शरीर को भस्म होना है मगर हम हैं की जीवन के इस अटल सत्य को जानकर भी अनसुना कर देते हैं। हम इसका कभी बीमा नहीं करवाते। न सत्कर्म करते है, न अभ्यास और वैराग्य द्वारा मोक्ष मार्ग को सिद्ध करते हैं, न योग मार्ग के पथिक बनते है, न ईश्वर का साक्षात्कार करते है। इसके विपरीत भोग, दुराचार, पाप, राग-द्वेष, ईर्ष्या, अभिमान, अहंकार, असत्य आदि के चक्कर में अपना बीमा ही करवाना भूल जाते हैं। वेद में अनेक मन्त्रों के माध्यम से जन्म-मरण और मुक्ति की पवित्र शिक्षा को कहा गया हैं- शरीररूप बंधन में आकर जीवात्मा जहाँ तहाँ भटकता है- वेद शरीर नश्वर है इसके रहते हुए जो श्रेष्ठ कर्म किया जा सके करले अपने को संभाल के परमात्मा का स्मरण कर-वेद जीवात्मा वासनावश ऊँची नीची योनियों में शरीर धारण करता है।

अंतर्मन

आज की पाती

वायु प्रदूषण कोरोना से खतरनाक न बन जाए

दिल्ली एक बार फिर से वायु प्रदूषण की चपेट में आ गई है और यहां वायु गुणवत्ता सूचकांक लगभग 400 के पास या ऊपर भी हो रहा है। यह दिल्लीवासियों की सेहत के लिए बेहद हानिकारक है। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि कहीं वायु प्रदूषण का खतरा कोरोना से भी ज्यादा खतरनाक न बन जाए? हालांकि सरकार इससे निपटने के लिए कुछ पाबंदियां लगा रही है। वायु प्रदूषण साल दर साल चुनौती बनता जा रहा है। कुछ समय पहले स्विस ग्रुप आईक्यू एयर ने विश्व भर के उन देशों की सूची जारी की है जिनमें सबसे ज्यादा प्रदूषण है। इस सूची में हमारे देश का राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सबसे ज्यादा प्रदूषित बताया गया है। वर्ष 2019 में भी ग्रीनपीस और एयर विजुअल की रिपोर्ट में बताया गया था कि दुनिया के सबसे प्रदूषित देशों में भारत के बहुत से शहर हैं। – *सचिन उपाध्याय, रायगढ़*

ट्रेंड

वोट बैंक की राजनीति

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवित रहते हुए कांग्रेस ने उनका घोर अपमान किया, आज कांग्रेस वोटबैंक की राजनीति के लिए उनके नाम पर राजनीतिक रोटियाँ सेंक रही है! देश की जनता जानती है कि कुंठित कांग्रेसी आरंभ से ही अंबेडकर विरोधी रहे हैं इसके प्रमाणों की श्रृंखला है।

-जे.पी. नड्डा, भाजपा अध्यक्ष

बाबा साहेब का सम्मान करें

कांग्रेस व बीजेपी एण्ड कम्पनी के लोगों को बाबा साहेब डा. भीमराव ऑम्बेडकर की आड़ में अपनी राजनीतिक रोटी सेंकने की बजाय, इनका पूरा आदर-सम्मान करना चाहिये। इन पार्टियों के जो भी भगवान है उनसे पार्टी को कोई ऐतराज नहीं है।

-मायावती, पूर्व सीएम उप्र

प्रधानमंत्री का स्पष्टीकरण

प्रधानमंत्री जी, मैं आपका ये स्पष्टीकरण पढ़कर स्तब्ध हूँ। आपका कहना है कि कांग्रेस ने बाबा साहेब के साथ ठीक नहीं किया। तो ये बात आपको, आपकी पार्टी को और आपके गृह मंत्री को बाबा साहेब का अपमान करने का अधिकार कैसे देती है?

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

समृद्ध विरासत

पद्मश्री तुलसी गौड़ा जी अपने पीछे पर्यावरण और हमारे ग्रह की देखभाल और पोषण के अथक और निस्वार्थ कार्य की एक समृद्ध विरासत छोड़ गए हैं।

-किरण मजूमदार-शॉ, उद्यमी

करंट अफेयर

चेन्नई में जन्मीं नील बनी मिस इंडिया यूएसए 2024

चेन्नई में जन्मीं भारतीय अमेरिकी किशोरी कैटलिन सैंड्रा नील ने न्यूजर्सी में आयोजित वार्षिक सौंदर्य प्रतियोगिता 'मिस इंडिया यूएसए' 2024 जीती है। कैटलिन (19) डेविस के कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में द्वितीय वर्ष की छात्रा हैं। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा, ' मैं अपने समुदाय पर सकारात्मक प्रभाव छोड़ना चाहती हूं और महिला सशक्तीकरण तथा साक्षरता पर ध्यान केंद्रित करना चाहती हूं।' कैटलिन का जन्म चेन्नई में हुआ था और वह पिछले 14 वर्षों से अमेरिका में रह रही हैं। वह वेब डिज़ाइनर बनने के अलावा मॉडलिंग तथा एक्टिंग में भी अपना करियर बनाना चाहती हैं।

ऑफ बीट

क्या कॉफी नींद की कमी की भरपाई कर सकती है

नींद की अहमियत से इनकार नहीं किया जा सकता। रातभर गहरी नींद लेने के बाद हरेक को अच्छा महसूस होता है और नहीं सोने से शरीर और दिमाग दोनों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। तो नींद की कमी की भरपाई के लिए क्या किया जा सकता है? या यूं कहें कि आप कम सोकर भी कैसे अपना बेहतरीन प्रदर्शन कर सकते हैं? पर्याप्त नींद नहीं लेने से दिमाग के काम करने की क्षमता पर असर पड़ता है। वैज्ञानिक कई वर्षों से यह बात जानते हैं कि पर्याप्त नींद नहीं लेने से ध्यान केंद्रित करने की क्षमता कम होती है। हमने कुछ प्रतिभागियों को घर जाकर सोने और कुछ प्रतिभागियों को प्रयोगशाला में पूरी रात जागने को कहा।

संक्षेप

ब्राह्मण वेलफेयर महासभा की जनपदीय कार्यकारिणी हुई गठन

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। ब्राह्मण वेलफेयर महासभा के कार्य में सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में तेजी लाने लिए ब्राह्मण वेलफेयर महासभा के प्रदेश अध्यक्ष आनन्द मोहन मिश्र द्वारा उत्तर प्रदेश की प्रदेश कार्यसमिति में कुछ रिक्त पदों पर ब्राह्मण समाज के जागरूक लोगों की प्रदेश पदाधिकारी के साथ-साथ मंडल प्रभारी के पद पर घोषित किया है। डा0 विभोर पांडेय निवासी जनपद मैनपुरी को प्रदेश उपाध्यक्ष, योगेश कुमार त्रिपाठी निवासी जनपद बहराइच को प्रदेश मंत्री, संजय पांडेय निवासी जनपद बाराबंकी को प्रदेश मंत्री, पवन कुमार दुबे जी निवासी जनपद गाजीपुर को प्रदेश कार्यसमिति सदस्य तथा मंडल प्रभारी वाराणसी मंडल, सजल कुमार मिश्र निवासी जनपद उन्नाव को प्रदेश कार्यसमिति सदस्य तथा मंडल प्रभारी लखनऊ मंडल के पद पर नियुक्त किया गया। साथ ही जनपद बहराइच में महासभा के कार्य में तेजी लाने के लिए प्रदेश अध्यक्ष द्वारा पवन कुमार पांडेय को जिलाध्यक्ष बहराइच, दुर्गेश कुमार शुक्ल जिला महामंत्री बहराइच, प्रवीन कुमार मिश्र को जिला कोषाध्यक्ष बहराइच, पुष्पेंद्र कुमार शुक्ल को जिला संगठन मंत्री बहराइच, पुनीत मिश्रा को जिला उपाध्यक्ष बहराइच के पद पर नियुक्त किया गया। प्रदेश अध्यक्ष आनन्द मोहन मिश्र ने सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों से ब्राह्मण समाज के कल्याण हेतु अनवरत तत्पर रहने की आशा व्यक्त की है।

रूपईडीहा के वरिष्ठ समाजसेवी एवं शिक्षक स्वर्गीय गणपत सिंह की मनाई गई पुण्य तिथि

अमन लेखनी समाचार

रूपईडीहा, बहराइच। रूपईडीहा के वरिष्ठ समाजसेवी एवं शिक्षक रूपईडीहा स्थित प्रतिष्ठित स्कूल रामजानकी इंटर कालेज के संस्थापक एवं पूर्व प्रधानाचार्य स्वर्गीय गणपत सिंह की पुण्य तिथि बड़े ही धार्मिक अनुष्ठान करके मनाई गई। गणपत सिंह के पुत्र कस्बे के वरिष्ठ समाजसेवी इंजिनियर राजीव सिंह ने बताया कि शुक्रवार को पिता जी की तीसरी पुण्य तिथि मनाई गई। पिता जी का देहांत 21 दिसंबर 2021 को हुआ था। घर पर गायत्री मंत्र द्वारा पूजा अनुष्ठान करके पिता जी की पुण्य तिथि मनाई गई और प्रसाद वितरित किया गया।ज्ञात हो कि गणपत सिंह जी का रूपईडीहा के सामाजिक उत्थान एवं शिक्षा के क्षेत्र में अहम योगदान रहा है। उनके पढ़ाए हुए छात्र आज बड़े बड़े पोस्ट पर विराजमान है और देश सेवा कर रहे है।

सुल्तानपुर में एक्सीडेंट में युवक की मौत

अमन लेखनी समाचार

सुलतानपुर, सुल्तानपुर जिले में हलियापुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में 35 वर्षीय बलराम यादव की मौत हो गई। घटना बुधवार देर रात की है जब बलराम यादव अपनी गाड़ी का पंचर ठीक कर रहे थे।

एसएसबी 42वी वाहिनी की सीमा चौकी रूपईडीहा ने हासिल किया दूसरा स्थान

वाहिनी के कार्मिकों को गृह मंत्रालय द्वारा मिला गैलेंट्री अवार्ड, सीमा पर तैनात सर्वश्रेष्ट सीमा चौकी के चयन में रूपईडीहा चौकी को मिला ये स्थान

अमन लेखनी समाचार

रूपईडीहा, बहराइच। भारत नेपाल सीमा पर तैनात 42वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल को लगातार तीसरी बार सर्वश्रेष्ट वाहिनी का खिताब हासिल करने का गौरव प्राप्त है इसी गौरव को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी बल के 61वें स्थापना दिवस के अवसर पर बल मुख्यालय द्वारा बल की प्रचालन एवं अहम विभिन्न गतिविधियों के आंकलन के आधार पर भारत नेपाल सीमा पर सर्वश्रेष्ट सीमा चौकी की चयन श्रेणी में एसएसबी 42वीं वाहिनी की सीमा चौकी रूपईडीहा को बल में द्वितीय स्थान से नवाजा गया है।उक्त जानकारी देते हुए उप-कमांडेंट (प्रचालन) 42वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल बहराइच दिलीप कुमार ने बताया कि बल के 61वी वर्षगाँठ समारोह के अवसर पर सीमांत मुख्यालय सशस्त्र सीमा बल सिलीगुड़ी पश्चिम बंगाल में आयोजित समारोह में अमित शाह गृह एवं सहकारिता मंत्री भारत सरकार मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। मुख्य अतिथि के समक्ष बल के वीर जवानो के द्वारा सलामी, मार्च, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा विभिन्न साहसिक करतलो का प्रदर्शन किया गया। मुख्य अतिथि को कार्यक्रम के दौरान बल के गौरवशाली 61 वर्षो के इतिहास को बताया गया कि बल किस प्रकार स्पेशल सर्विस ब्यूरो से सशस्त्र सीमा बल की भूमिका में आया और केन्द्रीय सशस्त्र बलों में अपनी सर्वाधिक लोकप्रियता वाला बल बना। सशस्त्र सीमा बल पहला सीमा रक्षक बल है जिसने महिलाओं की भर्ती की तथा महिलाएं विभिन्न दुर्गम क्षेत्रों में पुरुषों से कंधे से कन्धा मिलाकर ड्यूटी का निर्वहन कर रही है।बल के 61वी वर्षगाँठ समारोह के अवसर पर गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा 42वी वाहिनी के निरीक्षिक सामान्य कुमार ऋतुराज को उनके साहसिक एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ बगहा मुठभेड़ में चार नक्सलियों को मार गिराने हेतु गैलेंट्री अवार्ड से सम्मानित किया गया।इसके अतिरिक्त 42वीं वाहिनी में तैनाती के दौरांन आरक्षी/सामान्य विजय कुमार जो आन्तरिक सुरक्षा ड्यूटी हेतु जम्मू-कश्मीर में तैनात थे को पोस्ट ड्यूटी के दौरान पुलवामा में आंतकियों की गोली सर में लगने से शहीद हो गए थे उन्हें भी मरणोपरांत गैलेंट्री अवार्ड से सम्मानित किया गया जिसे उनकी अर्धांगिनी ने ग्रहण किया।

नेपालगंज में 7वाँ राष्ट्रीय मेयर साइकलिंग प्रतियोगिता संपन्न

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच। पड़ोसी मित्र राष्ट्र नेपाल के शहर नेपालगंज में सातवां राष्ट्रीय मेयर साइकलिंग प्रतियोगिता नेपालगंज साइकिल क्लब द्वारा आयोजित किया गया। क्लब के अध्यक्ष प्रदीप सापकोटा ने बताया कि इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर सहित स्थानीय साइकिलिस्टों ने प्रतिभाग किया है। यह साइकिल रेस पांच स्तर से आयोजित किया जा रहा है। जिसमें राष्ट्रीय तथा स्थानीय स्तर के खिलाड़ीयो ने 36 किलोमीटर के प्रतिस्पर्धा में भाग लिया तथा दूसरा 25 किलोमीटर का तथा तीसरा स्कूली बच्चों का 16 किलोमीटर का प्रतिस्पर्धा आयोजित हुआ। इसी तरह जनरल पुरुष 25 किलोमीटर तथा जनरल महिला 16 किलोमीटर प्रतिस्पर्धा में भाग लिया। जो नेपालगंज के उपमहानगरपालिका कार्यालय बीपी चौक से शुरू होकर कोहलपुर होते हुए वापस उप महानगरपालिका कार्यालय पर समाप्त हुआ। इस साइकिलिंग प्रतियोगिता को नेपालगंज उपमहानगरपालिका के अध्यक्ष प्रशांत बिष्ट ने सीटी बजा कर शुरूआत कराई। अध्यक्ष सापकोटा ने बताया कि 36 किलोमीटर वाले रेस में प्रथम स्थान पर सशस्त्र बल के सूरज राणा मगर दूसरे स्थान पर अच्युत कृष्ण खरेल तथा तीसरे स्थान पर राप्ती सुनारी वार्ड न0 8 निवासी जंगू थारू रहे। इसी तरह 25 किलोमीटर वाले प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर हर्क बहादुर लामा निवासी सिंधु पाल चौक नेपाल तथा दूसरे स्थान पर देव बोहरा निवासी डुडवा गांव पालिका वार्ड नंबर 5 तथा तीसरे स्थान पर दीपक माल्या निवासी नेपालगंज वार्ड नंबर 1 रहे। इसी तरह 16 किलोमीटर वाले प्रतिस्पर्धा में प्रथम स्थान पर दिलोसन बोहरा दूसरे स्थान पर अनमोल गुप्ता तथा तीसरे स्थान पर रणजीत चौहान रहे। इसी तरह जनरल पुरुष वर्ग में 25 किलोमीटर वाले प्रत्यक्ष स्पर्धा में प्रथम स्थान पर विनोद यादव द्वितीय स्थान पर लेखन प्रसाद चौधरी तथा तीसरे स्थान पर जगत राम यादव रहे। इसी तरह जनरल महिला 16 किलोमीटर प्रति स्पर्धा में प्रथम स्थान पर रूपाचा द्वितीय स्थान पर सुनीता थारू तथा तृतीय स्थान पर मीना कुमारी थारू रही।इस अवसर पर उपमहानगर पालिका नेपालगंज अध्यक्ष प्रशांत बिष्ट, नंदलाल वैश्य, राजीव विक्रम शाह, जिलाधिकारी बांके, पुलिस अधीक्षक बांके, नेपाली व भारतीय पत्रकारों सहित सैकड़ो गणमान्य व्यक्ति खिलाड़ी एवं आम जन उपस्थित रहे।

निकरा परियोजना के अंतर्गत किसानों को वितरित किया सल्फर

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। कृषि विज्ञान केंद्र प्रथम पर संचालित निकरा परियोजना के अंतर्गत केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डा. संदीप कुमार कन्नौजिया के दिशा निर्देशन में निकरा गांव जब्दी और रानीबाग के 75 किसानों को सरसो के लिए सल्फर वितरित किया गया। केंद्र के वैज्ञानिक डा. शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि सरसों में सल्फर डालने के कई फायदे होते हैं। इससे सरसों के पौधों में तेल बनने की प्रक्रिया तेज होती है। सल्फर, सरसों के बीज में प्रोटीन का मुख्य स्रोत होता है। सल्फर, गर्मी पैदा करता है. इसलिए, बारिश के मौसम में मिट्टी को भरने और ठंड के मौसम में फसल को जमीन में गर्मी देने में मदद करता है। डा. नंदन सिंह ने बताया कि सरसों की फसल में सल्फर का छिड़काव 30 से 35 दिन बाद करना चाहिए। एक एकड़ जमीन में एक किलो सल्फर का पाउडर छिड़कना चाहिए। सिंचाई से पहले, पांच किलो प्रति बीघा की दर से यूरिया के साथ सल्फर का बुरकाव करना चाहिए घुलनशील सल्फर को पानी में मिलाकर छिड़काव किया जा सकता है. इसके लिए, 500 ग्राम थायोयूरिया को 1000 लीटर पानी में घोलकर 15-15 दिन के अंतराल पर छिड़काव करें. डॉ.अरुण कुमार राजभर ने बताया कि सरसों में सल्फर की कमी होने पर नई पत्तियां पीली पड़ जाती हैं। पौधों का विकास रुक जाता है। फूल और बीज बनने में कमी आती है। पौधों का हरापन कम हो जाता है। सल्फर की कमी से सरसों की उपज में 1525% तक की कमी हो सकती है। इस मौके पर काफी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

प्रक्षेत्र भ्रमण कर डीएम ने स्ट्राबेरी, ब्रोकली व फ्रेंच बीन्स की फसलों का किया अवलोकन

नवाचार के लिए कृषक द्वारा किये गये प्रयासों को बताया सराहनीय

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। जिलाधिकारी मोनिका रानी ने तहसील कैसरगंज अन्तर्गत ग्राम पंचायत कोहली में कृषक श्रवण कुमार पुत्र छत्रपाल सिंह के प्रक्षेत्र का भ्रमण कर नवाचार के रूप में कृषक द्वारा की जा रही स्ट्राबेरी, ब्रोकली, फ्रेंच बीन्स व शिमला मिर्च की फसल का अवलोकन करते हुए कृषक द्वारा किये गये प्रयासों की सराहना की। डीएम ने कृषक को सुझाव दिया कि जिले के दूसरे कृषकों को भी नवाचार के लिए प्रेरित कर अपने अनुभव उनके साथ साझा करें। डीएम ने कृषक को यह भी सुझाव दिया कि इन फसलों के साथ-साथ जरबेरा की खेती को भी अपनायें तथा समूह का गठन कर महिलाओं को बुके तैयार करने का प्रशिक्षण दिलाये ताकि ग्रामीण परिवेश की महिलाएं भी स्वावलम्बी बनकर परिवार को आर्थिक रूप से सम्पन्न बनाने में सहयोग कर सकें।स्ट्राबेरी, ब्रोकली व फ्रेंच बीन्स के पौध, बीज व नर्सरी इत्यादि के बारे में पूछने पर कृषक श्री सिंह ने डीएम को बताया कि स्ट्राबेरी के पौध पुणे महाराष्ट्र से मंगाये जाते हैं। स्ट्राबेरी पौध की रोपाई का उपयुक्त समय सितम्बर से अक्टूबर तक होता है। कृषक ने बताया कि वर्तमान में 01 एकड़ क्षेत्रफल में स्ट्राबेरी की फसल लगी हुई है जो 45 दिन में तैयार हो जाती है। फसल पर लगभग 04 लाख की लागत आई है।गुणवत्तायुक्त तैयार फसल की बिक्री से उसे लगभग 15 लाख रुपए प्राप्त होने का अनुमान है। कृषक श्री सिंह ने बताया कि चारों फसलो की खेती स्वायल बेड पर मल्चिंग बनाकर की जा रही है। कृषक ने बताया कि उत्पादित फसल का बड़ा भाग वह लखनऊ मण्डी में बिक्री करता है। कृषक ने बताया कि वर्तमान में उसके द्वारा 0.5 एकड़ भू-भाग पर ब्रोकली व फ्रेंच बीन्स की फसल लगा रखी है। ब्रोकली के लिए उसके द्वारा नर्सरी तैयार की जाती है जबकि फ्रेंच बीन्स के बीजों की बुआई की गई है। श्री सिंह ने बताया कि 65 से 70 दिवस में तैयार होने वाली फसले भी काफी लाभकारी हैं। ब्रोकली पर लगभग रू. 25 हजार तथा फ्रेंच बीन्स पर रू. 20 हजार प्रति एकड़ लागत आती है। जबकि इनकी बिक्री से क्रमशः रू. 1.5 लाख व रू. 2.00 लाख प्राप्त होते हैं। कृषक ने बताया कि उसके परिवार में लगभग 04 हेक्टेयर भूमि है। उसके द्वारा 2020 से नवाचार अपना कर स्ट्राबेरी, ब्रोकली व फ्रेंच बीन्स की खेती की जा रही है। डीएम ने कृषक को सुझाव दिया कि ई-शक्ति ऐप पोर्टल पर अपना रजिस्ट्रेशन कराकर उपज की आनलाइन बिक्री भी कर सकें।निरीक्षण के समय मौके पर मौजूद उद्यान विभाग के योजना प्रभारी पंकज वर्मा ने बताया कि स्ट्राबेरी की खेती पर राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत रू. 50 हजार प्रति हेक्टेयर का अनुदान दिया जाता है। जनपद में स्ट्राबेरी की खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विगत वर्ष से राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत स्ट्राबेरी का लक्ष्य प्राप्त होना प्रारम्भ हुआ है। डीएम ने निर्देश दिया कि अधिक से अधिक कृषकों को स्ट्राबेरी की खेती के लिए प्रेरित करें।

एसएसबी 42वीं वाहिनी के द्वारा निशुल्क मानव चिकित्सा शिविर

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच। 42वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल बहराइच-क के सीमा चौकी कोदिया के कार्यक्षेत्र श्रीनगर गाँव में निःशुल्क मानव चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे एसएसबी के डॉ. राकेश कुमार रंजन, कमान्डेंट (चिकित्सक) के नेतृत्व में मानव चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमे सहायक के तौर पर सहायक उप निरीक्षक फार्मासिस्ट मनोज काजला एवं आरक्षी सामान्य शंकर लाल जाखड़ तथा सीमा चौकी कोदिया के जवान कार्मिक उपस्थित रहे। शिविर के दौरान ग्रामझश्रीनगर के ग्रामीण ने अपना चिकित्सीय परीक्षण कराया एवं निःशुल्क दवाईया प्राप्त की। दवाईयों का वितरण एसएसबी के कार्मिक मनोज काजरा एवं शंकर लाल जाखड़ के द्वारा किया गया और खुराक की मात्रा के बारे भी बताया गया। शिविर के दौरान ग्रामीणों की काफी भीड़ बनी रही तथा उपस्थित ग्रामीणों ने जिसमें 65 पुरुषों 39 महिलाओं एवं 27 बच्चों कुल 131 लोगों ने अपना निशुल्क इलाज करा कर लाभ प्राप्त किया। 42वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल बहराइच -क के कार्यवाहक कमांडेंट राज रंजन ने बताया की एसएसबी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के साथ-साथ सीमा क्षेत्र की जनता जो आर्थिक, सामाजिक तौर पर कमजोर हैं उनको मुख्य धारा में लाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। तथा समय-समय पर नागरिक कल्याण कार्यक्रम, मानव चिकित्सा, पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन, तथा विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से लोगो को जागरूक करना और सुविधाओ को जन मानस तक पहुचाने का अथक प्रयास कर रही है एवं भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन किये जायेंगे जिसमे आम जनमानश अधिक से अधिक लाभान्वित हो सके और साथ ही सीमांत क्षेत्र की जनता से ऐसे कार्यक्रमों में अधिक से अधिक प्रतिभागी करने हेतु भी अपील की गयी।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपन्न होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी के न पहुंचने पर समाधान दिवस मुख्य विकास अधिकारी प्रेम प्रकाश मीणा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ.समाधान दिवस में जिला उद्यान अधिकारी की अनुपस्थिति होने पर वेतन रोके जाने के लिए मुख्य विकास अधिकारी ने उपजिलाधिकारी नवीन चंद्र को निर्देश दिए.समाधान दिवस में पहुंचे कुल183 फरियादियों ने शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई.जिनमें से मात्र 12 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया.मुख्य विकास अधिकारी प्रेम प्रकाश मीणा ने सभागार में मौजूद अधिकारियों को शिकायतों गुणवत्ता पूर्ण एवं समय से निस्तारण के निर्देश दिए.शनिवार को तहसील सभागार में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता कर रहे मुख्य विकास अधिकारी ने फरियादियों की शिकायतें सुन उनके गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया. समाधान दिवस में राजस्व के 90, पुलिस विभाग 16 , समाज कल्याण 2, विकास विभाग 18, विद्युत विभाग 26 व पूर्ति विभाग 9 वहीं अन्य विभाग से 22 सहित कुल 183 मामले दर्ज किए गए. बृजपालपुर गांव निवासी विक्रम सिंह ने मुख्य विकास अधिकारी को शिकायती पत्र सौंप बताया कि सफीपुर तहसील क्षेत्र आम बेल्ट होने के बावजूद तहसील मुख्यालय पर उद्यान विभाग का कोई भी अधिकारी व कर्मचारी यहां नहीं उपलब्ध होता है जिससे सरकार द्वारा किसानों के लिए चलाई जा रही योजनाओं की भी जानकारी नहीं उपलब्ध हो पाती है और न ही फसलों के उत्पादन सम्बन्धी एवं उनमें होने वाले रोगों की रोकथाम के लिए भी किसानों को किसी भी तरह की तकनीकी सहायता की भी जानकारी नहीं उपलब्ध हो पाती है. उद्यान विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी को सप्ताह में दो से तीन दिन तहसील मुख्यालय पर स्थान सुनिश्चित कर किसानों की समस्याओं का समाधान करने का आग्रह किया है,शिकायत को तत्काल संज्ञान लेकर मुख्य विकास अधिकारी ने दिवस में जिला उद्यान अधिकारी सहित किसी भी उद्यान विभाग के कर्मचारी की उपस्थित न होने से नाराज होकर उपजिलाधिकारी को अनुपस्थिति दर्ज कर वेतन रोके जाने के निर्देश दिए हैं,वहीं विश्व हिंदू परिषद के प्रांतीय सह मंत्री अविनाश के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधियों ने उपजिलाधिकारी सफीपुर के आवास के निकट निमार्णाधीन मस्जिद निर्माण कार्य को रुकवाए जाने की मांग की,वहीं बम्हना गांव के ग्रामीणों के द्वारा की गई जिसमें ग्रामीणों ने बताया कि गांव के ही लोगों द्वारा चारागाह की जमीन को अवैध रूप से बेंच दी गई और लोगों द्वारा जमीन की घेराबंदी भी कर ली गई है. समाधान दिवस में पहुंची कुल 183 शिकायतों में केवल राजस्व की 12 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया.

राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत मुख्य चिकित्सा अधिकारी सभागार में आयोजित हुई कार्यशाला

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। शनिवार को कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के सभागार कक्ष में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत पी0आर0आई0 ट्रेनिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यशाला का आयोजन हुआ। इस प्रशिक्षण में स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, सुरक्षा विभाग एवं अन्य विभाग के कर्मचारियों द्वारा प्रशिक्षण उन्मुखीकरण कार्यशाला तम्बाकू नियंत्रण पर प्रशिक्षण प्राप्त कर तंबाकू सेवन से होने वाली बीमारियों और बचाव के बारे में विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 संजय कुमार ने की जबकि कार्यक्रम का संचालन डा परितोष तिवारी ने किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 संजय कुमार बताया कि समाज में विशेषकर युवा समुदाय जानकारी के अभाव में तंबाकू उत्पाद को अपनाकर बीमारी से ग्रसित हो रहे है। लोगों को बीमारियों से बचाना उन्हें जागरूक करना स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों व कर्मियों का कर्तव्य है। उन्होने बताया कि तम्बाकू की लत व्यक्ति के साथ साथ पूरे परिवार को बर्बाद कर देता है। तम्बाकू के सेवन से कई तरह की बीमारियां फैलती है, जो स्वास्थ्य एवं जीवन के लिए घातक है। तम्बाकू जहर से भी ज्यादा घातक है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी श्री बृजेश सिंह ने कहा कि बेहद चिन्ताजनक है कि तम्बाकू उद्योग अब युवाओं को निशाना बनाते हुए उनके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाकर अपने जेबें भर रहे हैं। अगर हम जागरूक नहीं बने तो तम्बाकू उद्योग के इस अनैतिक आचरण के चलते जल्द ही तम्बाकू और निकोटीन का उपयोग करने वाली अगली पीढ़ी हमारे सामने होगी। इस लिए इससे बचना बेहद जरूरी है और इसको हम स्वयं चाहेंगे तो दूसरों को सामाजिक स्थल पर धूम पान करने से रोक सकते हैं, इसके साथ साथ यह भी बताया कि तंबाकू नियंत्रण के लिए कोटपा अधिनियम 2003 बनाया गया है जिसमें धारा 4 के तहत सभी सार्वजनिक स्थानों पर धूम्र पान करना अपराध है, पकड़े जाने पर दो सौ रुपये जुमार्ना हो सकता है। धारा 6बी के तहत विद्यालय के सौ गज के दायरे में कोई भी तंबाकू की दुकान नहीं होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि तंबाकू उत्पाद पर अगर चित्र के साथ चेतावनी नहीं होगी तो धारा 7 के तहत अपराध की श्रेणी में आता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन कर रहे गैर संचारी विभाग के डा0 परितोष तिवारी ने बताया कि तंबाकू के सेवन से होने वाली बीमारियों व उससे बचाव की जानकारी देते हुए कहा कि तम्बाकू उत्पादों से मुंह में छाले पडना, गले में छाले पडना, पेट में छाले पडना तथा फेफड़ों में छाले पड़ जाते हैं तथा टीवी होने की संभावना बढ़ जाती है। इसके साथ-साथ ही श्वास की बीमारियां एलर्जी की बीमारियां डायबिटीज ब्लड प्रेशर बढना, अनिद्रा इत्यादि प्रकार की बीमारियां भी इससे हो जाती है। जो लोग इसके आदी हो जाते हैं या जिनको लत लग जाती है वह चाहकर भी इसे नहीं छोड़ पाते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कैंसर रोगो जैसे मुँह का कैंसर व महिलाओं मे होने वाले वेस्ट व सर्वाइकल कैंसर पर भी चर्चा हुई। जिला कार्यक्रम प्रबन्धक सरजू खान ने बताया कि तम्बाकू के उपयोग का प्रभाव केवल मृत्यु दर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन की गुणवत्ता और खराब मानसिक स्वास्थ्य से निपटने के प्रयासों को भी प्रभावित करता है।

नारायण समाज सेवा संस्थान ने आयोजित की संगोष्ठी

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। असोहा विकास खण्ड के जबरेला गांव में आज नारायण समाज सेवा संस्थान की ओर से समरसता भोज एवम संगोष्ठी का आयोजन संस्थान के अध्यक्ष अनिल तिवारी के द्वारा किया गया। जिसमे पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री संगठन संजय जोशी का संस्था के सदस्यों ने अंग वस्त्र, प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया। सरस्वती एवम् भारत माके चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उपस्थित लोगो को सम्बोधित करते हुए संजय जोशी ने कहा कि शरीर मे जब चोट लगती है तो दर्द पूरे शरीर को होता है। हम अधिकारों की बात तो करते है लेकिन हमारा दायित्व क्या है उस पर विचार नही करते है। देश, समाज से पाना तो सब कुछ चाहते है परंतु हमारा योगदान देश व समाज के प्रति क्या है इसके बारे में जरूर आत्मविश्लेषण कर लेना चाहिए। हम सभी का कर्तव्य है कि हम सभी मिलकर एक होकर समाज को एकत्रित करते हुए आगे बढ़े, यदि बटेंगे तो कटेंगे। जूना अखड़ा से आये महंत सिधेश्वरानंद जी महाराज ने प्रबुद्ध जनों को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्ण व्यवस्था पूर्व से चली आ रही है। आज इस वर्ण को बांट कर हम हिन्दुओं को अलग किया जा रहा है। हमे यह सोचना चाहिए कि हम सर्व प्रथम हिन्दू है, जो छुद्र राजनीति कर रहे है वो हम हिन्दुओ को बरगलाकर वर्ण व्यवस्था में बांट कर भाई भाई को लड़ाने का काम कर रहे है हमको सचेत होने की जरूरत है नही तो हम बटेंगे और कटेंगे। नारायण सेवा संस्थान ने गरीब महिला, पुरुषो को मुख्य अतिथि के द्वारा 200 कम्बल वितरित किया गया। और संस्था ने पत्रकारों को अंग वस्त्र डायरी पेन भेंट कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में मुख्य रुप से के के शुक्ला, रमेश तूफानी, विनय श्रीवास्तव, बालकृष्ण तिवारी आदि ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम में विमल द्विवेदी नर सेवा नारायण सेवा, के डी त्रिवेदी, बालेन्द्र प्रताप सिंह, सतीश त्रिपाठी, प्रेम शंकर दीक्षित उर्फ बच्चा भईया, त्रिभुवन दीक्षित, पी के दीक्षित उर्फ फुर्रउवा महराज, शिव कण्ठ त्रिपाठी, आशीष पांडेय, हृदयेश तिवारी, अनुज तिवारी, अनमोल मिश्रा, पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा गंगा प्रसाद वर्मा, आशीष बाजपेई, अटल, जिला महामंत्री भाजपा रजनीश सिंह, सर्वेश पाण्डेय, सुशील बाबा, समाजसेवी रज्जन यादव सहित सैकड़ों की संख्या में महिला पुरुष व क्षेत्र वासी उपस्थित रहे।

बार एसोशिएशन चुनाव में उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र किया दाखिल

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। बार एसोसिएशन बांगरमऊ कार्यकारिणी चुनाव- 2025 की प्रक्रिया शनिवार को अधिवक्ताओं की सहमति से शुरू हुई। जिसमें अध्यक्ष पद पर श्रीकांत द्विवेदी , पूर्व अध्यक्ष रामभरोसे वर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर राकेश कुमार चौरसिया, सहायक उपाध्यक्ष पद पर सुरेंद्र बाबू, कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर अजीत शुक्ला, महामंत्री पद पर गिरीश कुमार अग्निहोत्री, छोटेलाल गौतम, कोषाध्यक्ष पद पर मुज्जमिल अहमद, आदित्य तिवारी, सुरेंद्र प्रताप सिंह, सयुक्त मंत्री पद पर राजकिशोर शुक्ला, आयुष शुक्ला, ब्रजेश कुमार, शादाब खान ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर राकेश चौरसिया और सहायक उपाध्यक्ष पर सुरेंद्र बाबू का एक एक नामांकन होने से इनका निर्विरोध निर्वाचन होना तय है। जबकि कोषाध्यक्ष पद पर तीन और अध्यक्ष सहित अन्य पदो पर दो- दो नामाकन दाखिल होने से चुनाव हो गया है। चुनाव अधिकारी सुभाष चंद्र शुक्ला ने बताया कि 23 दिसंबर को नामांकन की जांच और आपत्तियां एवं निस्तारण किया जाएगा। 24 दिसंबर को नामांकन वापसी की जायेगी। 28 दिसंबर को 11 से 3 बजे तक मतदान कराकर परिणाम घोषित किया जाएगा। इस मौके पर सहायक निर्वाचन अधिकारी राजमणि हंस मौजूद रहे। नामांकन के समय प्रतीक कटियार, सर्वोत्तम अवस्थी, अमित यादव, विपुल बाजपेई महमूद आलम आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कैसरगंज संपूर्ण समाधान दिवस संपन्न

समस्याओं के निस्तारण के बाद फीडबैक अवश्य लें अधिकारी: मोनिका रानी

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। संपूर्ण समाधान दिवस के मौके पर तहसील कैसरगंज में अध्यक्षता कर रही जिलाधिकारी बहराइच मोनिका रानी पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला एवं जिले के तमाम अधिकारीयों ने शिरकत किया। जिला अधिकारी बहराइच मोनिका रानी ने सभी कर्मचारियों को सख्त दिशा निर्देश दिया कि जो भी प्रार्थना पत्र तहसील दिवस में आए हैं उन सभी प्रार्थना पत्र का निष्पक्ष एवं समयबद्ध तरीके से किए जाने के आदेश दिए गए हैं। उनके निस्तारण के बाद जिले की टीम अलग से लगाई गई है। जिससे वह शिकायतकर्ता से फीडबैक लेंगे। अगर शिकायतकर्ता संबंधित अधिकारी या कर्मचारी के द्वारा लगाए गए रिपोर्ट से अगर वह संतुष्ट नहीं है तो ऐसे लापरवाह कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। मोनिका रानी ने बताया कि सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया गया है कि वह राजस्व संबंधी जो भी मामले है उनका तत्काल प्रभाव से निस्तारित करने का काम करें। सरोज वर्मा पत्नी उमेश प्रताप वर्मा निवासी बुढ़ानपुर द्वारा तहसील दिवस के दिन पहली बार ग्राम जरवल की गाटा सं 1143 में अपने अंश को खतौनी में सही हेतु प्रार्थना पत्र जिलाधिकारी महोदया को दिया गया, जिस पर नायब तहसीलदार जरवल पी.पी. गिरि व हल्का लेखपाल पंकज द्वारा तत्काल जांच कर अंश सही करके खतौनी में फीड करवा दिया गया।

खतौनी निःशुल्क आवेदिका की ओर से आये मुनिजर को सी डी ओ द्वारा दिया गया। संपूर्ण समाधान दिवस के मौके पर जिले के तमाम अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे मौजूद रहे।

संक्षेप

उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस हुआ संपन्न

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। तहसील मुख्यालय पाटन के तहसील सभागार में शनिवार को उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील समाधान दिवस आयोजित हुआ। समाधान दिवस में कुल 73 प्रार्थना पत्र आये जिनमे 5 प्रार्थना पत्रों का मौके पर निस्तारण किया गया । सर्वाधिक 26 मामले राजस्व से सम्बंधित थे। पुलिस से सम्बंधित 12 मामले जबकि विकास से सम्बंधित 12 मामले थे। समाजकल्याण से 1 मामला जबकि 22 मामले अन्य विभागों से थे। उपजिलाधिकारी रनवीर सिंह ने विभागीय अधिकारियों को तत्परता से मामले सुलझाने के निर्देश दिये। समाधान दिवस के अवसर पर ही लेखपालो द्वारा बरेली लेखपाल के साथ हुए जघन्य कांड की निंदा कर मुख्यमंत्री के नाम विभीन्न मांगो का मांग पत्र भी सौंपा गया। इस मौके पर तहसीलदार अरसला नाज के साथ अन्य विभागीय अधिकारी भी मौजूद रहे।

मिला टी बी चैंपियन का संग हम जीत लेंगे टी बी बीमारी से जंग

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सफीपुर,उन्नाव पर वर्ल्ड हेल्थ पार्टनर्स के डिसटिक लीड अश्वनी मिश्रा एवं कम्युनिटी कोऑर्डिनेटर विनोद कुमार सिंह के द्वारा एक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें अधीक्षक सर डॉक्टर राजेश कुमार वर्मा एवं वरिष्ठ उपचार प्रवेक्षक अमित सिंह जी का पूर्ण सहयोग प्रदान हुआ इस प्रशिक्षण में टी बी चैंपियन को प्रशिक्षण दिया गया जो की अपने-अपने आयुष्मान आरोग्य मंदिर के एरिया में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी के सहयोग से विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से समुदाय को टी बी के प्रति जागरूक करने का कार्य करेंगे समुदाय में बैठक स्कूलों में बच्चों एवं अध्यापकों को टी बी के विषय में विस्तृत पूर्वक जानकारी दी जाएगी टीवी के मरीजों को अपनी कहानी बताकर उनको हिम्मत देंगे और उनका इलाज पूरा कराएंगे टी बी चैंपियन वह लोग हैं जो टी बी की बीमारी से ठीक हो चुके हैं उन्हें में से कुछ लोगों को टी बी चैंपियन की भूमिका दी गई है।

गाजियाबाद में इंदौर से आए युवक को जमकर पीटा

अमन लेखनी समाचार

मोदीनगर, गाजियाबाद के मोदीनगर में दिल्ली-मेरठ मार्ग पर राज चौपला पर छेड़छाड़ करने पर युवक की महिला के भाई ने जमकर धुनाई कर दी। आरोपी युवक महिला का पीछा करते हुए मध्यप्रदेश के इंदौर से आया था। पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया है। पुलिस छेड़छाड़ की बात से इंकार कर रही है। बिहार के दरभंगा के एक गांव निवासी एक व्यक्ति मोदीनगर हापुड़ मार्ग स्थित दूध की फैक्टरी में काम करते है।

अम्बेडकर विचार मंच ने गृहमंत्री का फूंका पुतला, सौंपा ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। डा0 भीमराव अम्बेडकार के विचार मंच के सैकड़ों की संख्या में संगठन के अध्यक्ष विजय कुमार के नेतृत्व में तहसील मुख्यालय में देश के गृहमंत्री अमित शाह का पुतला फूंक कर विरोध जताया और उनके इस्तीफे की मांग किया। इसके बाद संगठन के कार्यकताओं ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी सहजनवां दीपक कुमार गुप्ता को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से कहा गया है कि देश के गृहमंत्री द्वारा दलितों और पिछड़ों,अल्पसंख्यकों और दीन दुखियों के मसीहा डा भीमराव अंबेडकर को अपमानित करने का कार्य किया गया है।

उन्हें देश माफ नहीं करेगा। तथा उन्हें तत्काल पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। इस दौरान रामरतन, अशोक कुमार,दुर्गेश मास्टर, अभिनाश भारती,अजय कुमार ,रामहरि, नागेन्द्र, मिथिलेश कुमार, रामचंद्र, सहित अनेक संगठन का कार्यकर्ता मौजूद थे।

वन विभाग ने ठेकेदार और मालिक पर दर्ज किया केस

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवा तहसील अंतर्गत क्षेत्र स्थित के ग्राम पंचायत भरसाड में लकड़ी माफियाओं का बोलबाला है। जब चाहते हैं पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के लिए हरे पेड़ो को काट डाल रहे है। जिसमें वन विभाग के अधिकारियों की संलिप्ता हमेशा रही है। बताते चले कि शुक्रवार को सहजनवा ब्लाक के ग्राम पंचायत भरसाड में लकड़ी माफिया ने एक विशाल आम के पेड़ को काटकर पर्यावरण संरक्षण को नुकसान पहुंचाने का कार्य किया। वन विभाग के जिम्मेदारों को जब जानकारी हुआ तो अपनी कलम बचाने के लिए ठेकेदार और पेड़ मालिक के खिलाफ वन संरक्षण अधिनियम 1976 की धारा 4/10 के तहत कारवाई की है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 61 मामले, 6 का हुआ निस्तारण

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश तथा एसएसपी गौरव ग्रोवर के मौजूदगी में सम्पन्न हुआ। इस दौरान 61 मामले आए थे।जिसमे 6 मामले का निस्तारण मौके पर कर दिया गया। राजस्व 39,पुलिस,10,विकास 7,समाज कल्याण 1,अन्य 4 मामले आए थे। राजस्व संबंधित मामले के निस्तारण के लिए राजस्व टीम गठित किया गया है।तथा पुलिस के मामले की जांच कर कारवाई करने का निर्देश दिया गया हैं। इस दौरान डीडीओ धीरेंद्र जीत सिंह एसडीएम दीपक कुमार गुप्ता,सीएमओ आशुतोष दुबे, एओसी चकबंदी धनेंद्र कुमार मिश्र, सहजनवां,तहसीलदार राकेश कन्नौजिया,नायब तहसीलदार दुर्गेश चौरसिया,ईओ सूर्यकांत,सहित अनेक विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

मीनाक्षी सिंह बेस्ट वूमन एम्पावरमेंट अवार्ड से सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवा तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत बसिया टोला सेमरा निवासी मीनाक्षी सिंह को लखनऊ के हयात रेजिडेंसी में प्रसिद्ध हिंदी फिल्म कलाकार अमृता राव ने इन्हे वुमन एम्पावरमेंट अवार्ड से सम्मानित किया है। यह घर से बाहर न निकलते हुए ऑनलाइन वर्क फ्राम होम करके पूरे क्षेत्र और समाज का नाम रोशन किया है। मीनाक्षी के पति अभय प्रताप सिंह है रेलवे में कार्यरत है। इनका सहयोग इन्हें हमेशा मिला है।

विधायक ने मृतक के स्वजन से मिलकर दिया सांत्वना

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। भाजपा के क्षेत्रीय विधायक प्रदीप कुमार शुक्ल शनिवार को सहजनवां क्षेत्र के ग्राम पंचायत देइपार निवासी मृतक प्रभात पाण्डेय के घर पहुँचकर उन्होंने परिवार से मिलकर सांत्वना दी।उन्होंने वहा मौजूद परिजनों से वार्ता कर कहा की मै आपकी मदद के लिए सैदव तैयार रहूंगा। विधायक मृतक के पिता दीपक पाण्डेय को ढाढ़स बढ़ाया। इस अवसर पर पिपरौली ब्लाक प्रमुख दिलीप यादव, प्रधान मनीष पाण्डेय,प्रधान प्रतिनिधि चन्द्र भूषण पाण्डेय,मनोज सिंह,अभिमन्यु मौर्य, रवि सिंह सोलंकी,परमात्मा सिंह, धर्मराज गोंड,सुनील निगम, अजय पांडेय, कौशल पांडेय सहित कई उपस्थित रहे।

लेखपालों ने 11 सूत्रीय मांगों को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। बरेली में लेखपाल मनीष कश्यप की हत्या की निष्पक्ष जांच की मांग और कारवाई करने की मांग को लेकर तहसील लेखपाल संघ अध्यक्ष रत्नेश मणि त्रिपाठी के नेतृत्व में करीब दो दर्जन लेखपालों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी सहजनवा दीपक कुमार गुप्ता को सौंपा। ज्ञापन में मांग किया गया है कि लेखपाल मनीष कश्यप की मौत की जांच डीएनए के आधार पर कराई जाय। हत्या की जांच सीबीआई से कराई जाय। दोषियों को गिरफ्तार कर कड़ी सजा दिया जाय,मृतक लेखपाल के स्वजन को 50 लाख आर्थिक सहायता दिया जाय।मृतक आश्रित को नौकरी दी जाय,शस्त्र लाइसेंस एसडीएम के रिपोर्ट पर दी जाय,लेखपाल और राजस्व निरीक्षक के साथ हो रही घटना को गैरजमानती घोषित किया जाय,रात्रि निवास के लिए बाध्य न किया जाए, ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया जाय, अवैध खनन पकड़ने में ड्यूटी न लगाई जाय। इस दौरान अरविंद कुमार, वरुण सिंह,नीतीश कुमार,सुजीत द्विवेदी, आशीष सिंह,अनमोल सिंह,रत्नेश राय,सुनील सिंह सहित अनेक लेखपाल मौजूद थे।

जनपद में 8 केंद्रों पर होगी पीसीएस परीक्षा, 3,264 परीक्षार्थी हिस्सा लेंगे

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। 22 दिसंबर को पीसीएस परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 3264 परीक्षार्थी हिस्सा लेंगे। परीक्षा के लिए जिले में आठ केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा के सुचारु और पारदर्शी संचालन के लिए प्रशासन ने कड़े सुरक्षा इंतजाम और व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं। परीक्षा केंद्रों की सूची और व्यवस्थाएं अपर जिलाधिकारी (एडीएम) सुशील कुमार गोंड ने बताया कि परीक्षा के लिए अटल बिहारी इंटर कॉलेज, जीजीआईसी शहर, जीआईसी चमरौली, डीएसएन कॉलेज ब्लॉक ए और बी, जीजीआईसी नवाबगंज, श्यामलाल इंटर कॉलेज नवाबगंज, और एसएवी इंटर कॉलेज अचलगंज को परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

जांच करने पहुंची जनपद से चार सदस्यीय टीम

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। तहसील क्षेत्र के न्योतनी रजबहा से निकले दयालपुर कुलाबे व नाली की जांच करने के लिए शनिवार को जिले से चार सदस्यीय टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की जिसमें नक्शे पर नाली नहीं मिली है।

न्योतनी रजबहा से निकले दयालपुर गांव के बाहर नहर कुलाबा व नाली की जांच करने कें लिए जिले की चार सदस्यी टीम में जिला राजस्व अधिकारी दिलनवाज खान,सहायक अभियंता सिंचाई जगदीश कुमार, जिलेदार करुणा शंकर व अवर अभियंता कमलेश कुमार ने पहुंचकर जांच की जिसमें दयालपुर कुलाबा नंबर 22 के आगे गांव के ही अशोक मिश्रा का खेत है जिसमें ग्रामीणों के सामंजस्य से नाली बनी थी 2 वर्ष पूर्व किसान ने नाली बंद कर दी थी तभी से न्यायालय में मुकदमा विचाराधीन है।

इस संबंध में जिला राजस्व जांच अधिकारी दिलनवाज खान ने बताया कि नक्शे में नाली नहीं पाई गई है लेकिन कुलाबा बना हुआ है ग्रामीणों के सामंजस्य से नाली बनी हुई थी कुलाबे के पास से 17 मी नाली बंद है।

वही उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के तहसील अध्यक्ष नवीन तिवारी व तहसील मंत्री नरेंद्र सिंह ने एसडीएम को ज्ञापन देकर बताया कि लेखपाल को बिना किसी दोष के निलंबित कर दिया गया है जिससे जनपद के लेखपालों में आक्रोश व्याप्त है यदि लेखपाल को 23.12.2024 तक सेवा में बहाल नहीं किया गया तो आने वाली 24 दिसंबर को राजस्व निरीक्षक कार्यालय में सभी लेखपाल बस्ता जमा कर देंगे।

राधा स्वामी सत्संग आश्रम बंद कराने की मांग

बुलंदशहर में केयर टेकर ने नाबालिग से किया था रेप, तहसील पहुंचे ग्रामीण

अमन लेखनी समाचार

बुलंदशहर, राधा स्वामी सत्संग व्यास आश्रम में नाबालिग बच्चियों के साथ हुई घटना के बाद अब पीड़ित परिजनों ने उक्त आश्रम को बंद कराए जाने की मांग उठाई है। परिजन कुछ ग्रामीणों के साथ तहसील पहुंचे, जहां उन्होंने एसडीएम को ज्ञापन देकर आश्रम को हमेशा के लिए बंद कराए जाने की मांग उठाई है। स्याना तहसील क्षेत्र के गांव चांदपुर पूठी में स्थित राधा स्वामी सत्संग व्यास आश्रम के केयरटेकर मोहनलाल ने 13 वर्षीय बच्ची को अपनी हवस का शिकार बनाया था। किशोरी के गर्भवती होने पर मामले का खुलासा हुआ। पुलिस ने आरोपी केयरटेकर मोहनलाल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। ग्रामीण इकट्ठे होकर तहसील पहुंचे, जहां उन्होंने एसडीएम को ज्ञापन के माध्यम से आश्रम को बंद कराए जाने की मांग उठाई है। परिजनों का आरोप है कि आश्रम से जुड़े ही कुछ लोग दबाव बनाकर धमकियां दे रहे हैं। नाबालिग किशोरी के चाचा ने आरोप लगाते हुए बताया कि, सत्संग भवन में देह व्यापार किया जाता है। उन्होंने कहा कि उक्त आश्रम को हमेशा के लिए बंद कर देना चाहिए। गांव के ही कुछ ग्रामीणों ने बताया कि आश्रम बंद होने से गांव का भविष्य सुधर जाएगा। राधा स्वामी सत्संग ब्यास के आश्रम के अंदर कई गलत काम पूर्व में भी हुए हैं जिनका आज तक कोई मुकदमा नहीं दर्ज कराया गया। ग्रामीणों का कहना है कि आश्रम से ही जुड़े कई लोग ऐसे दबंग है जो ग्रामीणों को डरा धमका कर रखते हैं। एसडीएम गजेंद्र सिंह ने बताया कि मामले से उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। एक टीम गठित कर दी गई है। उच्च अधिकारियों के निदेर्शों पर ही कार्यवाही की जा रही है। जांच के लिए टीम गांव में भेजी जा रही है जो ग्रामीणों से भी वार्ता करेगी। किसी को भी गलत काम करने नहीं दिया जाएगा। जो दोषी होगा उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी।

सीएनजी पंपों की हड़ताल स्थगित

अडानी ग्रुप से 1 महीने में मांग पूरी करने का मिला आश्वासन, 4 दिन चली हड़ताल

अमन लेखनी समाचार

बुलंदशहर, अडानी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल) के फिलिंग स्टेशनों के संचालकों द्वारा कमीशन के भारी अंतर एवं अन्य समस्याओं को लेकर चार दिन तक चलाई गई हड़ताल आज सुबह समाप्त हो गई। अडानी कंपनी के अधिकारियों ने सीएनजी पंप संचालकों को आश्वासन दिया कि उनकी मांगे एक महीने के अंदर पूरी कर दी जाएंगी। अडानी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल) के फिलिंग स्टेशनों के संचालकों एवं अडानी ग्रुप के अधिकारियों के बीच काफी देर तक वार्ता चली, जिस पर कंपनी के अधिकारियों ने पंप संचालकों को पूरा भरोसा दिलाया कि जो भी समस्याएं उन्हें जल्द ही दूर करने का पूरा प्रयास किया जाएगा। इसके लिए कंपनी के हाई मैनेजमेंट तक से वार्ता की जाएगी, लेकिन पंप संचालकों को परेशान नहीं होने दिया जाएगा। कंपनी के अधिकारियों की इस बात को सुन पंप संचालकों ने एक महीने के लिए हड़ताल स्थगित कर दी है। अडानी गैस से जुड़े पंप संचालकों का साफ कहना है कि कंपनी के अधिकारियों द्वारा उन्हें एक महीने में समस्याओं का समाधान करने का जो आश्वासन मिला है, अगर उसमें कंपनी के अधिकारियों ने कोई झोल किया तो पंप संचालक दोबारा हड़ताल करने को मजबूर होंगे। बुलंदशहर में सीएनजी पंपों की हड़ताल खत्म होने से जहां इन फिलिंग स्टेशनों पर एक बार फिर रौनक लौट आई है, वहीं इन पंपों से अपना रोजगार चलाने वालों के चेहरे भी खिल उठे हैं। इसके साथ ही सीएनजी वाहन चालक गैस भरवाने के लिए इन फिलिंग स्टेशन पर पहुंचने लगे। जनप्रतिनिधि और प्रशासन मामले में चुप्पी साधे रहे हैं जो सवाल खड़ा कर रहा है। अगर जनप्रतिनिधि इन सीएनजी पंप मालिकों की समस्याओं का समाधान कराने के लिए अपनी ओर से पहल करते तो ये हड़ताल इतनी लंबी नहीं खिंचती।

बुलंदशहर में वकील और पुलिस में झड़प

कप्तान ने एएसपी को सौंपी जांच, दो दिन में देंगे अपनी रिपोर्ट, होगी कार्रवाई

अमन लेखनी समाचार

बुलंदशहर, बुलंदशहर में नगर कोतवाली पुलिस द्वारा एक वकील को पीटने के मामले में एसएसपी श्लोक कुमार ने एएसपी ऋजुल कुमार को जांच सौंपी है। दो दिन में जांच रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं। जांच रिपोर्ट के बाद वकीलों को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है। बता दें कि जिला बार एसोसिएशन के शपथ ग्रहण के बाद अधिवक्ता नरेश प्रताप सिंह को कालाआम पुलिस चौकी पर रोक लिया गया था। इसके बाद उन्हें नगर कोतवाली में ले जाया गया। यहां उन्हें पीटने का आरोप पुलिसकर्मियों पर भी लगाया गया। नगर कोतवाली पुलिस ने मंगलवार देर शाम जिला बार एसोसिएशन के शपथ ग्रहण के बाद जा रहे एक अधिवक्ता को गिरफ्तार किया। साथ ही रात में उसकी पिटाई कर दी। पुलिस ने अधिवक्ता का शांतिभंग में चलन कर दिया और उसे हथकड़ी लगाकर सिटी मजिस्ट्रेट के यहां पेश करने को पहुंचे। जहां अन्य अधिवक्ता भी एकत्रित हो गए। जिन्होंने पुलिस से अधिवक्ता को हथकड़ी समेत छूटा लिया। जिसके बाद अधिवक्ता घायल अधिवक्ता को लेकर जिला जज के न्यायालय में पहुंच गए। सूचना पर भारी फोर्स मौके पर पहुंची। जिन्होंने अधिवक्ताओं को समझाने का प्रयास किया। लेकिन अधिवक्ताओं ने नगर कोतवाली पुलिस के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। देर रात तक एसएसपी दफ्तर पर हंगामा किया गया। एसएसपी द्वारा मामले की जांच कराने के बाद कार्रवाई के आश्वासन पर अधिवक्ता शांत हुए। एएसपी ऋजुल कुमार का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

अमित शाह के खिलाफ प्रदर्शन

सपा-कांग्रेस नेताओं ने लगाए मुर्दाबाद के नारे; कहा-भाजपा नेता माफी मांगें

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की डॉ. अंबेडकर पर की गई टिप्पणी को लेकर सियासी घमासान जारी है। मेरठ में विपक्षी दल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी के नेताओं ने मिलकर विरोध प्रदर्शन किया। यहां कमिश्नरी चौराहे से लेकर कलेक्ट्रेट पर विपक्षी दलों के नेता पहुंचे। सभी ने गृह मंत्री को अपने बयान पर सार्वजनिक तौर पर माफी मांगने की मांग की है। विपक्ष ने शाह पर आंबेडकर के अपमान का आरोप लगाया है। विरोध में विपक्ष ने संसद से लेकर सड़क तक सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। विपक्षी दल संसद में भी सरकार को घेरने की तैयारी में है। आप सांसद संजय सिंह ने इस मुद्दे पर चर्चा की मांग की है। उन्होंने अमित शाह की टिप्पणी पर चर्चा के लिए राज्यसभा में कार्य स्थगन नोटिस दिया। कांग्रेस महानगर और जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी कलेक्ट्रेट पहुंचे और प्रदर्शन किया। अमित शाह माफी मांगे के नारे लगाए। जिलाध्यक्ष अवनीश काजला ने कहा कि ये संविधान का अपमान है। संविधान निमार्ता का अपमान किया जा रहा है। इससे बुरा कुछ नहीं हो सकता। वहीं सपा जिलाध्यक्ष विपिन चौधरी के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता हाथ में बाबा भीमराव अंबेडकर की तस्वीरें लेकर प्रदर्शन करने पहुंचे।

कहा कि जब उच्च पदों पर बैठे लोग इस तरह बाबा साहेब पर टिप्पणी करेंगे तो देश का क्या हाल होगा।

खाद छिड़काव करते समय किसान बेहोश, हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, हमीरपुर। शुक्रवार की शाम गेहूं की फसल में खाद का छिड़काव करते समय किसान खेत पर गिरकर अचेत हो गया। इलाज को ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। इससे परिवार में कोहराम मच गया। इंगोहटा निवासी श्रीचंद्र प्रजापति (62) शुक्रवार को गेहूं की फसल में यूरिया का छिड़काव करने गया था। शाम को वह खाद का छिड़काव करते समय खेत पर ही अचेत होकर गिर गया। खेतों में कार्य कर रहे हैं किसानों ने उसे खेत से उठाकर मेड़ में बैठाया और आग सेंकवा के साथ परिजनों को अवगत कराया। मौके पर पहुंचे परिजन उसे उठाकर इलाज के लिए मौदहा ले गए। रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। मौदहा में डॉक्टरों ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया। अचानक हुई इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया। मृतक अपने पीछे पत्नी सरमन, पुत्र गुरु प्रसाद व रविशरण को रोता बिलखता छोड़ गया है। मृतक के पास आठ बीघे कृषि योग्य भूमि थी। इसी से वह खेतीबाड़ी करके परिवार का भरण पोषण करता था।

मानसिक विक्षिप्त युवक ने खाया जहरीला पदार्थ, मौत

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, हमीरपुर। मानसिक रूप से विक्षिप्त युवक ने शुक्रवार को सूना घर पाकर जहरीला पदार्थ गटक लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल ले गए। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। इसने 6 माह पूर्व भी आत्महत्या का प्रयास किया था, तब परिजनों ने इसे बचा लिया था।पचखुरा बुजुर्ग निवासी संतोष यादव के पुत्र प्रदीप 26 वर्ष ने शुक्रवार को सूना घर पाकर जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। घटना के समय परिजन गांव में लगे मेले में गए थे। वापस जब यह घर लौटे तो यह अचेत अवस्था में पड़ा हुआ था और मुंह से झाग निकल रहा था। परिजन आनन फानन इसको इलाज के लिए सदर अस्पताल ले गये। सदर अस्पताल में इलाज के दौरान इसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया है। बताते हैं कि मृतक तीन भाइयों में सबसे बड़ा और अविवाहित था। मृतक की बहन की शादी दो माह बाद होनी है। अचानक हुई इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया है।

शैलजा सिंह भारतीय साहित्य की हैं अनुपम धरोहर

यूपी की बेटी या बिहार की बेटी ही नहीं, बल्कि पूरे हिंदुस्तान की बेटी हैं शैलजा

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद की समाजसेविका युवा कवयित्री शैलजा सिंह, भारतीय साहित्य जगत की वह प्रेरणास्रोत हैं, जिनकी लेखनी न केवल भावनाओं की गहराइयों को छूती है, बल्कि भारतीय नारी की अदम्य शक्ति, संवेदनशीलता और गौरवशाली संस्कृति का भी प्रतीक है। उनकी रचनाएँ पाठकों और श्रोताओं के मन में एक नई चेतना का संचार करती हैं।

उनका गीत ꠰मैं सागर तक ले जाती हूँ अपनी कच्ची गागर कोर꠰ भावनाओं और प्रतीकों का अप्रतिम संगम है। यह गीत नारी की उस अद्वितीय यात्रा को दशार्ता है,

कान्हा की मुरली की मधुरता है शैलजा

शैलजा जी अपने भीतर एक समर्पण और सहनशीलता का महासागर समेटे हुए होती है। झीलों, नदियों और निर्झरों को पत्र भेजने वाली यह कवयित्री कालीदास की शकुंतला की कोमलता, चिड़िया के पंखों की ऊँचाई की आकांक्षा, और कान्हा की मुरली की मधुरता को अपनी रचनाओं में जीवंत करती हैं।

प्रकृति की गहराई है शैलजा

प्रकृति को गहराई से जीने वाली शैलजा सिंह अपने गीतों से यह संदेश देती हैं पूरे भारतवर्ष की बेटियां ऐसी ही होती हैं। हाल ही में, राबर्ट्सगंज सोनभद्र में हिंदुस्तान टाइम्स समाचार पत्र द्वारा आयोजित भव्य कवि सम्मेलन में उनकी उपस्थिति ने वहां के साहित्यिक मंच को नई ऊँचाइयों पर पहुँचा दिया। सुप्रसिद्ध गीतकार और साहित्यिक संचालक अनूप अनुपम के साहित्यिक संचालन भी अद्भुत रहा

सोनभद्र में शैलजा को मिला गजब का स्नेह

सोनभद्र के श्रोताओं और दर्शकों ने हृदय खोलकर शैलजा सिंह को स्नेह और शुभकामनाएँ दीं। यह आयोजन, उनके और अन्य कवियों के लिए, साहित्यिक यात्रा का अविस्मरणीय और ऐतिहासिक क्षण साबित हुआ। साथ ही, हिंदुस्तान समाचार पत्र की कर्मठ और ऊर्जावान टीम से उनका स्नेहमयी मिलन साहित्य और पत्रकारिता की एक सुंदर झलक प्रस्तुत करता है।

लोक संस्कृति और अनुपम धरोहर है शैलजा

शैलजा जी समाज में अपनी लोक संस्कृति और मूल्यों को पुनर्जीवित करने का प्रयास निरंतर करती रहती हैं । शैलजा जी की लेखनी समाज में सभी के प्रति समान आदर भाव उनके व्यक्तित्व को बहुत ऊँचाई प्रदान करता है

साहित्यिक कद और विशिष्ट शैली

साहित्यिक कद और उनकी विशिष्ट शैली से शैलजा सिंह जी की कविताएँ न केवल गहन संवेदनाओं से परिपूर्ण थीं, बल्कि उन्होंने श्रोताओं के हृदयों को स्पंदित कर दिया। उनकी सरलता और गहराई ने हर व्यक्ति को उनके शब्दों से जोड़ दिया।

शैलजा जी जला रखी हैं साहित्य की मशाल

शैलजा जी का साहित्यिक प्रेम और समर्पण इतना है कि वो नए कलमकारों को भी प्रोत्साहित करती रहती हैं साथ ही नेपथ्य में रहने वाले लेखकों कवियों को भी मंच से जोड़ने का प्रयास करती हैं। उनके व्यक्तित्व की विशेषता यह दशार्ती है कि समाज में सभी बराबर से रहें और जो जिस काबिल है उसको उनका अधिकार मिलना चाहिए ।

क्या हार में, क्या जीत में, किंचित नहीं भयभीत

निसंदेह साहित्य की अनुपम धरोहर शैलजा सिंह अपने कर्तव्य पथ पर अग्रसर रहते हुए शिवमंगल सिंह ' सुमन' द्वारा रचित पंक्तियों से सदैव प्रेरित रहती हैं क्या हार में, क्या जीत में, किंचित नहीं भयभीत मैं, कर्तव्य पथ पर जो भी मिला, यह भी सही वो भी सही ।

समाधान दिवस में आए 29 प्रार्थना पत्र, तीन का हुआ निस्तारण

अमन लेखनी समाचार/हेमन्त यादव

गरौठा, झांसी। माह के तृतीय शनिवार को तहसील सभागार गरौठा में उपजिलाधिकारी अवनीश कुमार तिवारी की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।समाधान दिवस में पुलिस के 16 विद्युत के 2 जलनिगम का 1 पीडब्ल्यूडी का 1 विकास के 2 व राजस्व के 7 प्रार्थना पत्रों सहित कुल 29 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। कुल प्राप्त प्रार्थना पत्रों में से 3 प्रार्थना पत्रों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया।उपजिलाधिकारी ने शेष प्रार्थना पत्रों को संबंधित विभाग के अधिकारियों को सौंपते हुए शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए।इस मौके पर तहसीलदार मदन मोहन गुप्ता, नायब तहसीलदार मानवेंद्र सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी राजेश कुमार राय सहित सर्किल के थानों के थानाध्यक्ष व अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद थे।

जेसीएल के आठवें संस्करण की हुई शुरूआत, डॉ. संदीप ने खिलाड़ियों को दिया संदेश

अमन लेखनी समाचार/हेमन्त यादव

झाँसी। दैनिक जागरण के तत्वाधान में जागरण क्रिकेट लीग (जेसीएल) के आठवें संस्करण का शुभारंभ रेलवे इंस्टिट्यूट में 21 दिसंबर को किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान के साथ की गई तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद के कई गणमान्य नागरिक सम्मिलित हुए जिनमें मुख्य रूप से मण्डलायुक्त विपिन कुमार दुबे, पुलिस उपमहानिरीक्षक केशव कुमार चौधरी, डॉ० संदीप सरावगी, उपाध्यक्ष झाँसी विकास प्राधिकरण आलोक यादव, पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य, आरपी निरंजन, आशीष उपाध्याय, एमएलसी बाबूलाल तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष पवन गौतम, रामतीर्थ सिंघल आदि उपस्थित रहे। अतिथि के रूप में डॉक्टर संदीप के आगमन पर उन्होंने दोनों टीमों से हाथ मिलाकर मुलाकात की तत्पश्चात टॉस कर मैच की शुरूआत की गई। आयोजन को संबोधित करते हुए डॉ० संदीप ने कहा क्रिकेट हमारे देश का सर्वाधिक लोकप्रिय खेल है। समय-समय पर खेलों के आयोजन से प्रतिभाओं को उभरने का मौका मिलता है। कई खिलाड़ी ऐसे ही आयोजनों से निकलकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त करते हैं और जनपद व देश का नाम रोशन करते हैं। मैं आयोजक मंडल को और आयोजन में सम्मिलित होने वाली समस्त टीमों को शुभकामनाएं देता हूं और यह कहना चाहूंगा हार जीत जीवन में लगी रहती है लेकिन मुख्य बात खेल भावना है जिसे हमें हमेशा दिल में रखकर ही मैदान में उतरना चाहिये। इस अवसर पर पुनीत अग्रवाल, संत सिंह सेरसा, संजीव श्रृंगिऋषि, पीयूष रावत, राजेश साहू, अमर सिद्ध, बृज बिहारी सोनी, मनमोहन गेड़ा, विकास पाटिल, तनवीर आलम, रवीश त्रिपाठी, शशिकांत द्विवेदी, सुशांत गुप्ता, अनुज प्रताप सिंह, संदीप नामदेव, राजू सेन, प्रमेन्द्र सिंह, अरुण पांचाल, बसंत गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव ग्राम प्रधान का देवर है मृतक

हत्या कर शव लटकाने का परिजनों ने लगाया आरोप

अमन लेखनी समाचार

अमेठी में देर रात घर से लापता हुए युवक का गांव के बाहर लेडीज दुपट्टे के सहारे पेड़ से लटका शव मिलने से हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू कर दी है। परिजनों ने हत्या कर शव को पेड़ से लटकाने का आरोप लगाया है। मृतक युवक गांव के महिला ग्राम प्रधान का देवर था और चार दिन पहले ही दिल्ली से लौटा था।दरअसल ये पूरा मामला गौरीगंज थाना क्षेत्र के अत्तानगर गांव का है

दुपट्टे के सहारे लटकाता मिला शव

जहां पर गांव की महिला ग्राम प्रधान सुनीता के देवर प्रदीप पुत्र राम दुलारे का संदिग्ध परिस्थितियों में गांव के बाहर पेड़ पर लेडीज दुपट्टे के सहारे लटका शव मिलने से हड़कंप मच गया। शौच के लिए गए एक ग्रामीण ने इसकी सूचना परिजनों को दी। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुँचे और मामले की जानकारी पुलिस को दी गई।सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पेड़ से शव को उतरवा कर पंचनामा भरते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है।

पत्नी का रो रोकर बुरा हाल

प्रदीप की मौत के बाद पत्नी कोमल बेसुध हो जा रही है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।प्रदीप की तीन साल की एक छोटी बिटिया भी है।परिजनों ने हत्या कर शव को पेड़ से लटकाने का आरोप लगाया है।सीओ अखिलेश वर्मा ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर परिजनों से घटना के विषय मे जानकारी ली है

एसएचओ ने कहा

वहीं पूरे मामले पर गौरीगंज के थाना प्रभारी श्याम नारायण पांडेय ने कहा कि ग्रामीणों की सूचना के बाद मौके पर पहुंचकर शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।अभी किसी भी प्रकार की कोई तहरीर नहीं मिली है तहरीर मिलने के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है।

अवैध निर्माण पर प्रशासन ने थाना अध्यक्ष को दिया कार्यवाही का निर्देश

मुकदमा दर्ज होने के बाद भी दबंग करा रहा निर्माण कार्य

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर।जनपद के चांदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत वलदेवगिरी पाठशाला इंटर कॉलेज के सामने गाटा संख्या 1067 में अवैध कब्जा करते हुए संतोष सचान पुत्र कुडहादीन निवासी सरहन खुर्द में पूर्व काल में निर्माण कार्य कराया जिस पर तत्कालीन राजस्व निरीक्षक ने अवैध कब्जा धारक के ऊपर नजदीकी थाना चांदपुर में मुकदमा दर्ज कराते हुए वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की वही समय बीतते दबंग कब्जा धारक एवं उसके सुपुत्र अमनदीप पुत्र संतोष सचान ने दूसरे खंड में कार्य कराना प्रारंभ कर दिया जिसे देख सरहन खुर्द निवासी समाजसेवी वीरेंद्र प्रताप पुत्र स्वर्गीय मोतीलाल ने तहसील स्तर समाधान दिवस में पहुंचकर शिकायत की वहीं राजस्व निरीक्षक को भी दो दिन पूर्व कस्बे वासियों ने सूचित किया परंतु राजस्व निरीक्षक सतीश कुमार ने मामले को ठंडा बस्ते में डाल दिया समाधान दिवस के साथ-साथ सोशल मीडिया ट्विटर में जमकर वायरल हो रहे अवैध कब्जे की खबर को देख पुलिस अधीक्षक फतेहपुर ने नजदीकी थाना चांदपुर थाना प्रभारी को जांच करते हुए वैधानिक कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया देखना यह है कि दबंग अवैध कब्जा धारक शासन प्रशासन की आंखों में धूल झोंकते हुए कब तक ग्राम समाज की जमीन का शोषण करता रहेगा

डीएपी एवं यूरिया खाद के लिए दर-दर की ठोकर खा रहे किसान

खाद न मिलने से गरौठा में किसानों ने लगाया जाम

अमन लेखनी समाचार/हेमन्त यादव

गरौठा, झांसी। निरंतर खाद न मिलने से परेशान किसान दर - दर की ठोकरे खाने के लिए विवश हो गया है।शनिवार को गरौठा तहसील अंतर्गत साधन सहकारी समिति ढिपकई के किसानों ने खाद न मिलने से परेशान होकर गरौठा के मुख्य चौराहे कोतवाली के सामने जाम लगा दिया और जय जबान जय किसान के नारे लगाने लगे। किसानों ने समिति सचिव और समिति के अध्यक्ष पर खाद की कालाबाजारी करने के गंभीर आरोप लगाए ।बही किसानो को खाद न मिलने से किसानो के चेहरे पर मायूसी देखने को मिली।किसानो ने आरोप लगाया कि सचिव द्वारा अपने चहेतो को टोकन बांटे जा रहे है और अन्य समिति क्षेत्र के किसानो को खाद दी जा रही है। किसानों ने कहा कि यदि हम लोगो को खाद नही मिली तो हम जिलाधिकारी दफ्तर का घेराव करेगे। जाम कि सूचना जैसे ही उपजिलाधिकारी गरौठा अवनीश कुमार को पहुंची तो उन्होंने मौके पर नायब तहसीलदार गरौठा मानवेन्द्र सिंह को भेजा। जहाँ पर नायब तहसीलदार ने किसानो को समझा कर जाम खुलवाया और कहा कि सभी किसानो को जल्द से जल्द खाद उपलब्ध कराई जायेगी और तहसील कि टीम खाद वितरण के दौरान मौके पर मौजूद रहेगी। जाम के दौरान पुलिस प्रशासन मौके पर मौजूद रहा। आश्चर्य की वात तो यह है कि पुलिस प्रशासन व तहसील प्रशासन सिर्फ मजबूर लाचार किसानों को तालीम में लगाते हैं यही प्रशासन की मौजूदगी में ओवर रेट, ब्लैक करना, एवं शासन प्रशासन के चहेतों को टोकन एवं खाद का वितरण किया जा रहा है। खाद की कालाबाजारी चरम पर है ।खाद ब्लैक में मिल रही है वह डीएपी 2000/रु एवं यूरिया 500/रु में आराम से मिल जाती है। क्या ब्लैक में मिल रही खाद पर सरकारी सब्सिडी नहीं मिलती यदि मिलती है तो बगैर संज्ञान के ब्लैक कैसे हो रही है ?देखना यह है कि सरकार यह कालाबाजारी बंद करने की कोशिश नहीं कर रही या करना नहीं चाहती।

तहसील सदर मे जिला स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न

सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के शीघ्र निस्तारण के डीएम ने दिए निर्देश

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। जिलाधिकारी घनश्याम मीना एवं पुलिस अधीक्षक दीक्षा शर्मा की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन सदर तहसील में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कुल 68 शिकायतें प्राप्त हुई , जिसमें से 03 शिकायत का मौके पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के शीघ्र निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने ग्राम खरौंज के कन्हैया पुत्र सुधा के वारिस सावित्री पुत्री कन्हैया पत्नी विनय कुमार निवासी इछौली रेवना, सीमा पत्नी धर्मेन्द्र पुत्री कन्हैया निवासी जल्ला सजेती घाटमपुर रामचरन पुत्र शिवदैला, बलवीर पुत्र रामचरन को खतौनी प्रदान की गयी, ग्राम शंकरपुर सहित 03 फरियादियों को खतौनी का वितरण किया गया, तथा अपर जिलाधिकारी विजय शंकर तिवारी द्वारा संशोधित खतौनी गीता पत्नी रामप्रसाद निवासी बांक को प्रदान की गयी। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी ने जन समस्याओं को सुनने के पश्चात उनके निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया तथा कहा कि किसी भी शिकायत के निस्तारण में मौके पर जाकर संबंधित पक्षों से मिलकर उनकी बातों को अवश्य सुना जाए। संबंधित अधिकारियों द्वारा शिकायत के निस्तारण के दौरान/स्थलीय निरीक्षण के दौरान लोकेशन सहित फोटोग्राफ भी लिए जाएं।

जिलाधिकारी ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस ,आईजीआरएस पोर्टल, मुख्यमंत्री संदर्भ /1076 के संदर्भ / शिकायतों का निष्पक्षता पूर्वक एवं समयबद्ध ढंग से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। कहा कि शिकायतों का निस्तारण 07 दिनों में अनिवार्य रूप से कर दिया जाए । शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिया जाए ताकि शिकायतकर्ता को बार.बार परेशान ना होना पड़े ।कहा कि शिकायतों का ग्राउंड लेवल पर निस्तारण कर शिकायतकर्ता को संतुष्ट किया जाय ।उन्होंने कहा कि जिस स्तर की शिकायत है उसका उसी स्तर पर निस्तारण अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए। किसी भी दशा में वही शिकायत अगले समाधान दिवस में प्राप्त नहीं होनी चाहिए।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) विजय शंकर तिवारी, अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार, उपजिलाधिकारी (सदर) पवन प्रकाश पाठक सहित अन्य अधिकारी/ कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीएम व एसपी ने पीसीएस परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार/ उमेश दीक्षित

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा दिनांक 22 दिसंबर 2024 को प्रस्तावित सम्मिलित राज्य ध्प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा 2024 के दृष्टिगत जिलाधिकारी घनश्याम मीना व पुलिस अधीक्षक डॉ दीक्षा शर्मा द्वारा जनपद के परीक्षा केंद्र राजकीय महाविद्यालय कुछेछा, राजकीय इंटर कालेज हमीरपुर, राजकीय बालिका इंटर कालेज हमीरपुर, श्री विद्या मन्दिर इंटर कॉलेज हमीरपुर, राजाराम इण्टर कॉलेज झलोखर कुरारा, राजकीय महाविद्यालय सुमेरपुर का निरीक्षण किया गया ।

निरीक्षण के दौरान सभी परीक्षा केंद्रों/विद्यालयों के परीक्षा कक्ष, कार्यालय का निरीक्षण किया गया, सीसीटीवी कैमरा, अग्निशमन यंत्र आदि सुरक्षा उपकरणों को चेक किया गया। साथ ही साफ सफाई आदि का निरीक्षण कर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। शांति व्यवस्था हेतु तैनात पुलिस बल को आवश्यक निर्देश दिए साथ ही परीक्षा समाप्त होने पर यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाए जाने हेतु यातायात पुलिस को आवश्यक निर्देश दिए गए जिससे कि परीक्षार्थियों/अभिभावकों को किसी प्रकार की समस्या न हो। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) डॉ0 नागेन्द्र नाथ यादव, उप जिलाधिकारी राजेश चन्द्र, सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

जिला कारागार का किया गया मासिक निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। जिला कारागार का मासिक निरीक्षण जिला जज, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। जिसमें जेल के अन्दर बन्द कैदियों की समस्याएँ सुन कर संबंधित को निस्तारित करने के निर्देश दिए, तथा जेल के सभी विभिन्न बैरिकों सहित रसोई घर, शौचालय की सफाई आदि का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक सामग्री नही प्राप्त हुई। इस अवसर पर अपर जिला जज, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, मुख्य चिकित्साधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

सपाईयों ने जिला कलेक्ट्रेट पहुंचकर किया विरोध प्रदर्शन, ज्ञापन सौंपा

अमित शाह द्वारा भीमराव अंबेडकर पर की गई टिप्पणी के खिलाफ बुलंद की आवाज

अमेठी पथिक समाचार

गौरीगंज समाजवादी पार्टी की अमेठी जिला इकाई ने आज कलेक्ट्री कार्यालय पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया और गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के खिलाफ ज्ञापन सौंपा

पार्टी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में कलेक्ट्री कार्यालय पहुंचे।समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष राम उदित यादव ने कहा हमारे भारतीय संविधान के निमार्ता और भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के खिलाफ गृह मंत्री श्री अमित शाह द्वारा की गई अपत्तिजनक टिप्पणी ने देशभर के दलित, पिछड़े और वंचित समाज की भावनाओं को गहरे आघात पहुँचाए हैं। सपा जिला प्रवक्ता राजेश मिश्रा ने कहाहाल ही में गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी से देशभर के दलित, पिछड़े और वंचित समाज की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है। इस मौके पर उपस्थित रहे अरशद अहमद, संग्राम सिंह, महेंद्र यादव, गुंजन सिंह, दीपू तिवारी, विमला सरोज, सिंधु जीत सिंह, सूबेदार यादव, मुकेश यादव, धर्मराज, और अन्य समाजवादी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अमन लेखनी (हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

गुनीत मोंगा की 'अनुजा' हुई ऑस्कर के लिए शॉर्टलिस्ट

मुंबई। अपनी शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'द एलीफेंट व्हिस्परर्स' के लिए साल 2023 का अकादमी पुरस्कार जीतने वाली गुनीत मोंगा एक बार फिर भारती सिनेमा को गौरवान्वित करने के लिए तैयार हैं। उनके नए प्रोजेक्ट 'अनुजा' को 'ऑस्कर 2025' के लिए 'सर्वश्रेष्ठ लाइव-एक्शन शॉर्ट फिल्म' श्रेणी में चुना गया है, जिसकी वह कार्यकारी निर्माता हैं। यह गुनीत का अकादमी पुरस्कारों में तीसरा नामांकन है। ऑस्कर 2025 के लिए 'अनुजा' को चुना गया 180 क्वालीफाइंग एंट्री में से चुना गया। यह शॉर्ट फिल्म ऑस्कर के लिए 15 शॉर्टलिस्ट की गई फिल्मों में शामिल है। 'अनुजा' को एडम जे ग्रेव्स और सुचित्रा मट्टई द्वारा निर्देशित और हॉलीवुड स्टार और लेखिका मिंडी कलिंग द्वारा सह-निर्मित किया गया है।

लाइफ Style

संजीदा शेख

बागबान से तय किया हीरामंडी तक का सफर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अभिनेत्री संजीदा शेख का जन्म 20 दिसंबर, 1984 को कुवैत में हुआ था। संजीदा ने अपना सफर छोटे पर्दे से शुरू किया और अपने अभिनय के दम पर बड़े पर्दे तक पहुंचीं। उन्होंने कई जानी-मानी फिल्मों में काम किया। संजीदा ने फिल्मी करियर की शुरुआत टीवी सीरियल 'क्या होगा निम्मो का' से किया।

इस धारावाहिक में उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई थी। संजीदा शेख ने टेलीविजन पर काफी सराहनीय काम किया है। वह 'कयामत', 'इश्क का रंग सफेद', 'क्या दिल में है', 'एक हसीना थी' जैसे कई टीवी सीरियल्स में काम कर चुकी हैं। साथ ही वह कई रियलिटी शो में भी भाग ले चुकी हैं। अभिनेत्री ने 'नच बलिए', 'झलक दिखला जा', 'जरा नचके दिखा' जैसे रियलिटी शो में भी भाग लिया है। टीवी जगत ने संजीदा को काफी शोहरत दिलाई। उनकी गिनती टीवी की टॉप एक्ट्रेस में होने लगी। अभिनेत्री संजीदा शेख ने 19 साल की उम्र में अमिताभ बच्चन की फिल्म 'बागबान' से फिल्मी दुनिया में कदम रखा था। इस फिल्म में भले ही उनका रोल छोटा रहा हो, लेकिन उनके किरदार के लिए उन्हें काफी पसंद किया गया। साल 2003 में आई इस फिल्म में उन्होंने नीली का किरदार निभाया था। अभिनेत्री ने हिंदी के अलावा तमिल, कन्नड़ और पंजाबी फिल्मों में भी काम किया है। साल 2005 की तमिल फिल्म 'पोन्नियिन सेल्वन' में संजीदा ने अभिनय किया। 2006 की कन्नड़ फिल्म 'शुभम' में भी वह नजर आईं। अभिनेत्री ने 'अश्के', 'मैं ते बापू' जैसी फिल्मों में भी काम किया है। संजीदा शेख को आखिरी बार संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी' में देखा गया था।

हॉलीवुड मसाला

'सुपरमैन' का ट्रेलर रिलीज

लॉस एंजिल्स। जेम्स गन के डायरेक्शन में बन रही 'सुपरमैन' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इस फिल्म का फैंस को लंबे समय से इंतजार है। दो मिनट 29 सेकेंड के ट्रेलर में नए सुपरमैन की झलक फैंस को भी बहुत पसंद आ रही है। इस फिल्म में डेविड कोरेंसवेट सुपरमैन के किरदार में हैं। ट्रेलर की शुरुआत सुपरमैन के दूसरी पर्सनैलिटी क्लार्क केंट से होती है, जो 'द डेली प्लैनेट' नाम के अखबार के रिपोर्टर हैं।

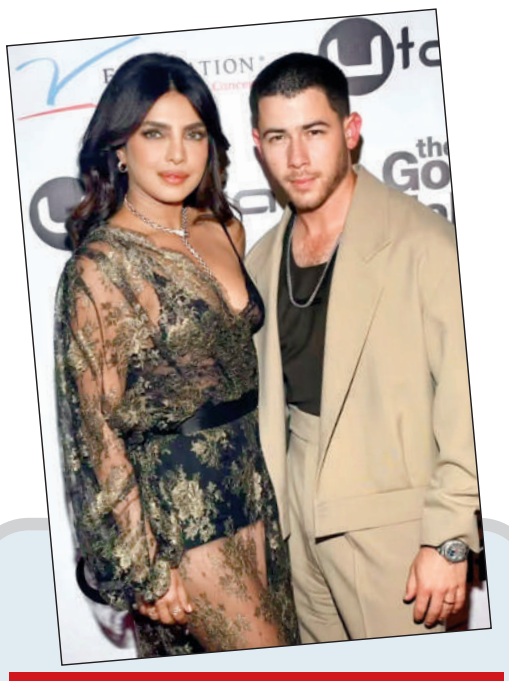

'प्रियंका अपने पति को कंट्रोल में रखें'

लॉस एंजिल्स। प्रियंका चोपड़ा के पति निक जोनस ने हाल ही में एक्स पर एलन मस्क को सपोर्ट किया जिसके बाद उन्हें लोगों का सामना करना पड़ा। यूजर्स ने निक को फटकार लगाई और ज्यादातर ने तो प्रियंका चोपड़ा को भी बीच में घसीटा। उन्होंने कहा कि एक्ट्रेस अपने पति को संभाल लें। 17 दिसंबर को एलन मस्क ने टेस्ला ओनर्स सिलिकॉन वैली के एक्स पोस्ट पर रिएक्ट किया जिसमें कहा गया था कि डोनाल्ड ट्रम्प के दोबारा चुने जाने के बाद से कंपनी का मुनाफा बढ़ गया है। यह बात निक जोनस के फैंस को अच्छी नहीं लगी, जिन्होंने इस ट्वीट का अर्थ यह निकाला कि वह एलन मस्क का समर्थन कर रहे हैं। एक्स यूजर्स में से एक ने कहा- क्या यह ट्रम्प पोस्ट है? @प्रियंकाचोपड़ा अपने पति को संभाल लो।

सास के रोल को लेकर चिंतित थीं अमीषा

मुंबई। 'गदर 2' के निर्देशक अनिल शर्मा अपनी फिल्मों के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर जाने जाते हैं। हालांकि, इस फिल्म के बाद से दोनों के बीच गर्मागर्मी देखने को मिली थी। दरअसल, फिल्म की रिलीज के बाद से दोनों के बीच विवादों ने जन्म लिया। अब हाल ही में, निर्देशक ने बताया कि फिल्म में अमीषा पटेल ने सास की भूमिका निभाने को लेकर चिंतित थीं। हालांकि, बाद में वह सास का रोल निभाने के लिए तैयार हो गई थीं। अनिल शर्मा ने कहा, 'मुझे लगता है कि 'गदर 2' में 'सकीना' के रोल को उतनी जगह नहीं मिल पाई, जितनी उन्हें गदर 1 में मिली थी। शायद वह उम्र और समाज को समझ नहीं पाईं। उम्र एक ऐसी चीज है कि वह सबको समझ आ जाएगा। अगर एक फिल्म में आप जीते की मां की भूमिका निभाती हैं तो यह स्वाभाविक है कि अगली फिल्म में आपको जीते की पत्नी की सास का रोल भी निभाना पड़ेगा।

बलिदान पर आधारित है फिल्म '120 बहादुर'

मुंबई। देश में लगातार फिल्मों का दौर जारी है। इसी बीच फरहान अख्तर स्टारर की अपकमिंग चर्चित फिल्म '120 बहादुर' की रिलीज डेट भी सामने आ चुकी है। यह फिल्म 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने को तैयार है। फिल्म के निर्माताओं ने अपडेट देते हुए गुरुवार को यह घोषणा की। मेजर शैतान सिंह भाटी और देश के सैनिकों की बहादुरी और बलिदान पर आधारित फिल्म में फरहान अख्तर लीड रोल में हैं। इससे पहले फरहान ने इंस्टाग्राम पर अपनी आगामी प्रोजेक्ट '120 बहादुर' के सेट से फिल्म का पोस्टर शेयर किया था। पोस्टर में वह हाथ में बंदूक लिए देश भक्ति में डूबे दिखे थे। रेजांग ला लड़ाई की 62वीं वर्षगांठ (18 नवंबर) पर अभिनेता ने पोस्टर शेयर कर 120 बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी थी।

टीवी मसाला

बिग बॉस से कटा दिग्विजय राठी का पत्ता, डबल एविक्शन में यामिनी पर भी लटकी तलवार

नई दिल्ली। सलमान खान के जरिए होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो 'बिग बॉस 18' का यह सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। एक तरफ श्रुतिका ने टाइम गॉड बनकर सभी प्रतियोगियों को दंग कर दिया। साथ ही बतौर टाइम गॉड उन्होंने नॉमिनेशन में भी जबर्दस्त फेरबदल की। हालांकि, अब शो से एक और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। शो में मिडवीक एविक्शन हुआ है। वहीं, रिपोर्ट्स की मानें तो दिग्विजय राठी घर से बेघर हो गए हैं। इतना ही नहीं, इस वीकएंड एक और प्रतियोगी के बाहर जाने की अटकलें तेज हैं। इस हफ्ते 'बिग बॉस' शो में डबल एविक्शन देखने को मिलने वाला है, जिसमें दिग्विजय राठी शो को अलविदा कहने वाले पहले प्रतियोगी होंगे। 'बिग बॉस' के फैन पेजों पर एक हालिया अपडेट के अनुसार, यामिनी मल्होत्रा घर से बेघर होने वालीं अगली प्रतियोगी हो सकती हैं। यह सारा खेल रैंकिंग लिस्ट पर आधारित है, जिससे पता चलता है कि यामिनी को सबसे कम वोट मिले और उन्हें सलमान खान के शो से बाहर जाना पड़ा।

सीआईडी के इस सीजन में पहले से ज्यादा मिलेगा मजा, नहीं बदली स्टाइल

नई दिल्ली। टीवी का हिट शो 'सीआईडी' 21 जनवरी 1998 में शुरू हुआ था, जिसे दर्शकों का खूब प्यार मिला। इसका आखिरी एपिसोड 2018 में प्रसारित हुआ था। अब छह साल के अंतराल के बाद यह शो दूसरे सीजन के साथ वापसी कर रहा है और दर्शकों का फिर मनोरंजन करने के लिए तैयार है। 'सीआईडी सीजन 2' 21 दिसंबर से शुरू होगा। हाल ही में शो में एसीपी प्रद्युम्न का किरदार निभाने वाले दिग्गज अभिनेता शिवाजी साटम ने शो को लेकर कई दिलचस्प खुलासे भी किए। इस सीजन में पहले से भी ज्यादा मजा मिलेगा। हमारी स्टाइल नहीं बदली, हम तो वैसे ही हैं, लेकिन स्क्रीन बदल गई है। प्रेजेंटेशन की तकनीक बदल गई है। प्रद्युम्न, दया, अभिजीत और सालुंखे भी वैसा ही रहेगा, बस बैकग्राउंड बदल गया है। प्रोडक्शन वैल्यू बढ़ गई है। शो देखने का अनुभव पहले से ज्यादा अच्छा रहेगा। सिनेमैटिक अनुभव भी बहुत अच्छा रहेगा।

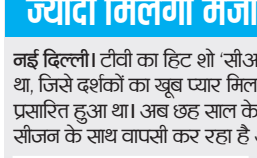

आराध्या के स्कूल फंक्शन में ऐश्वर्या अभिषेक का डांस हुआ वायरल

मुंबई। तलाक की अफवाहों के बीच अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय को आराध्या के स्कूल के वार्षिक समारोह में एक साथ दीवानगी गाने पर डांस करते देखा गया। गुरुवार शाम को मुंबई के धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल में बहुप्रतीक्षित वार्षिक समारोह के लिए सितारे इकट्ठे हुए। इस दौरान ऐश्वर्या और अभिषेक का साथ में डांस अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वहीं, एक क्लिप में शाहरुख खान भी नजर आए। एक और दिल को छू लेने वाले वीडियो में ऐश्वर्या और अभिषेक अपनी बेटी और अबराम के लिए ताली बजाते और हंसते हुए नजर आए। सैफ अली खान, करीना कपूर, मीरा राजपूत, सुहाना खान, गौरी खान, रितेश देशमुख, जेनेलिया डिसूजा, पृथ्वीराज सुकुमारन और मनीष मल्होत्रा भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए और बच्चों का उत्साह बढ़ाया।

पिता-पुत्र के रिश्ते पर बनी हैं ये फिल्में दिखाया गया है दो पीढ़ियों का टकराव

नई दिल्ली। निर्देशक अनिल शर्मा की फिल्म 'वनवास' 20 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इसमें उत्कर्ष शर्मा और नाना पाटेकर अहम रोल में हैं। 'वनवास' एक इमोशनल फैमिली ड्रामा फिल्म है, जिसमें दो पीढ़ियों के बीच आए फासले और टकराव को दिखाया गया है। फिल्म में बच्चों द्वारा अपने माता-पिता को वनवास भेजने की दिल छू लेने वाली कहानी दिखाई है। 'वनवास' से पहले भी बॉलीवुड में पिता-पुत्र के रिश्ते पर कई फिल्में बन चुकी हैं।

बागबान: साल 2003 में आई फिल्म बागबान में भी पीढ़ियों का टकराव दिखाया गया है। अमिताभ बच्चन, हेमा मालिनी इसमें मुख्य भूमिका में हैं। इनके चार बेटे हैं, जिनका रोल अमन वर्मा, समीर सोनी, साहिल चड्ढा और नसिर काजी ने निभाई। अपने-अपने परिवार की जिम्मेदारी निभाते हुए लोग बुजुर्ग माता-पिता को किस तरह बोझ समझने लगते हैं, यह इस फिल्म में बड़े ही मार्मिक तरीके से दिखाया गया है।

सूर्यवंशम

अमिताभ बच्चन अभिनीत यह फिल्म पिता-पुत्र की कहानी पर बनी है। इसमें उनके अलावा सौंदर्या, जयासुधा, कादर खान और अनुपम खेर भी अहम भूमिकाओं में नजर आए। इस फिल्म में अमिताभ बच्च डबल रोल में दिखे। फिल्म की कहानी बाप- बेटे के रिश्ते की है, जो विभिन्न परिस्थिति से गुजरते है और बाद में एक हो जाते है। यह फैमली ड्रामा फिल्म है, जिसमें पीढ़ियो के बीच का टकराव दिखाया गया है।

कभी खुशी कभी गम

साल 2001 में आई इस फिल्म में पीढ़ियों का टकराव बड़ी खूबसूरती से दिखाया गया। अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, ऋतिक रोशन, काजोल और करीना कपूर जैसे सितारों से सजी यह एक फैमिली ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन करण जौहर ने किया। फिल्म में शाहरुख ने अमिताभ बच्चन के बड़े बेटे राहुल की भूमिका अदा की। राहुल अपने परिवार से कम रसूख वाले परिवार की लड़की (काजोल) से प्रेम विवाह कर लेता है।

कई युवा प्रतिभाओं को मिला अवसर, 'मुंजा' से लेकर 'किल' तक के एक्टर हैं शामिल

2024 में इन कलाकारों की अदाकारी ने किया प्रभावित

नई दिल्ली। साल 2024 खत्म होने को है। हिंदी सिनेमा के लिए यह साल काफी रोचक रहा। कई फिल्मों ने इस साल ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। कई फ्लॉप हो गईं। वहीं, बॉलीवुड की बात की जाए तो इस साल शाहरुख खान, आमिर खान, सलमान खान और रणबीर कपूर की कोई भी फिल्म रिलीज नहीं हुई। हालांकि, बड़े पर्दे पर फिर भी काफी हलचल रही। इस साल कई युवा प्रतिभाओं को अवसर मिला और उन्होंने सराहनीय कार्य किया। इन अभिनेताओं ने शानदार काम किया और सराहनाएं प्राप्त की। आइए जानते हैं किन युवा प्रतिभाओं ने इस साल सराहनीय कार्य किया।

बोधिसत्व शर्मा - 'ऑल इंडिया रैंक'

वरुण ग्रोवर निर्देशित 'ऑल इंडिया रैंक' छात्रों के जीवन की चुनौतियों से परिचित कराती है। यह फिल्म कोचिंग क्लास के दबाव को दिखाती है। मुख्य भूमिका में बोधिसत्व शर्मा दोस्ती की चुनौतियों और माता-पिता की अपेक्षाओं के बोझ को पार करते हुए एक भरोसेमंद नायक के रूप में चमकते हैं। उनका अभिनय एक ऐसी कहानी में प्रामाणिकता और गहराई लाता है जो व्यक्तिगत और सार्वभौमिक दोनों लगती है।

प्रतिभा रांटा- 'लापता लेडीज'

किरण राव की 'लापता लेडीज' भारत की ओर से ऑस्कर नामांकन तक पहुंची। यह फिल्म एक मनोरंजक ड्रामा है। फिल्म के युवा कलाकारों प्रतिभा रांटा, नितांशी गोयल और स्पर्श श्रीवास्तव के अभिनय ने चार चांद लगा दिए। यह फिल्म महिलाओं से जुड़े गंभीर मुद्दों को उजागर करती है।

बोनिता राजपुरोहित - 'लव सेक्स और धोखा 2'

दिबाकर बनर्जी की 'लव सेक्स और धोखा 2' अपनी हिम्मत और मुख्य भूमिकाओं में ट्रांस अभिनेताओं को कास्ट करने के लिए प्रशंसा की पात्र है। इसके बेहतरीन कलाकारों में बोनिता राजपुरोहित भी शामिल हैं, जिन्होंने मेट्रो स्टेशन की सफाईकर्मी और यौन उत्पीड़न की शिकार महिला का किरदार निभाया है।

लक्ष्य - 'किल'

किल इस साल की शानदार फिल्मों में से एक है। ना सिर्फ भारतीय सिनेमा में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी। फ्रिल्म के मुख्य अभिनेता लक्ष्य को 'किल' के सीन में उनके असाधारण प्रदर्शन के लिए विशेष श्रेय दिया जाना चाहिए। उनकी आत्मविश्वास से भरी बॉडी लैंग्वेज खतरनाक एक्शन दृश्यों को सपोर्ट करती है और फिल्म को एक अलग स्तर पर ले जाती है।

जानकी बोदीवाला - 'शैतान'

अजय देवगन, आर माधवन और ज्योतिका जैसे दमदार कलाकारों से सजी फिल्म 'शैतान' में अलग दिखना कोई साधारण बात नहीं है। जानकी बोदीवाला अपने बॉलीवुड डेब्यू में ही शानदार प्रदर्शन किया और सराहनाएं प्राप्त की।अकल्पनीय शारीरिक और भावनात्मक तकलीफों को झेलने वाली एक युवा लड़की की भूमिका निभाते हुए, वह फिल्म में मनोरंजक प्रदर्शन करती है।

अभय वर्मा - 'मुंजा'

अभय वर्मा ने फिल्म 'मुंजा' में सराहनीय काम किया है। इससे पहले वह भले ही 'सुपर 30' और 'द फैमिली मैन सीजन 2' में नजर आ चुके हैं, लेकिन उन्हें इस फिल्म से असली पहचान मिली। उन्होंने इस हॉरर-कॉमेडी में, बहुत ही सहजता से अपने किरदार को निभाया है।